

हार के बाद रवि...

@ पेज 7

नई पार्टी का ऐलान कर सकते हैं तेजप्रताप यादव

पटना। तेजप्रताप यादव अभी समस्तीपुर के हसनपुर से विधायक हैं थोड़ी देर में आरजेडी प्रमुख लालू यादव के बड़े बेटे तेजप्रताप प्रेस कॉन्फ्रेंस करने जा रहे हैं। माना जा रहा कि वे अपनी नई पार्टी बनाने की घोषणा कर सकते हैं।

आरजेडी और परिवार से निकाले जाने के बाद तेजप्रताप यादव पटना स्थित अपने सरकारी आवास पर रह रहे हैं। वहीं पर वे लगातार अपने समर्थकों के साथ बैठक कर आगे की रणनीति तैयार कर रहे हैं। 10 जुलाई को तेजप्रताप यादव वैशाली के महुआ पहुंचे थे।

उस दौरान उन्होंने अपनी गाड़ी से आरजेडी का झंडा हटाकर दूसरा झंडा लगा दिया था, जिसमें लालू यादव की तस्वीर नहीं थी। महुआ में तेजप्रताप ने अपने समर्थकों के साथ बैठक भी की थी। इस विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने के संकेत दिए थे। फिलहाल वे समस्तीपुर के हसनपुर से विधायक हैं। हालांकि, वे 2015 से 2020 तक महुआ से भी विधायक रह चुके हैं। इस सीट पर उनका लगातार फोकस बना हुआ है। लालू यादव के बड़े बेटे तेजप्रताप यादव 30 जून को बाइक से अनुष्का यादव के घर पहुंचे।

बिहार में हर महीने 125 यूनिट मुफ्त बिजली के ऐलान पर बोले नीतीश कुमार, कहा- प्रधानमंत्री की सलाह पर की घोषणा

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को यह कहा कि राज्य में 125 यूनिट मुफ्त बिजली देने का निर्णय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सलाह के अनुरूप लिया गया है। जनता दल युनाइटेड (जदयू) अध्यक्ष कुमार ने यह टिप्पणी पूर्वी चंपारण जिले के मुख्यालय मोतिहारी शहर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए की। इस जनसभा में उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के साथ मंच साझा किया।

मुख्यमंत्री ने जनसभा में कहा, “लोगों को अब बिजली के लिए कोई भुगतान नहीं करना होगा। सर (प्रधानमंत्री) के जाने के बाद, हम

वापस (पटना में) आएंगे और आवश्यक मंजूरी देंगे। यही कारण है कि आज दिन में बाद में कैबिनेट की बैठक बुलाई गई है। कुमार ने आगामी विधानसभा चुनाव जीतने और लगातार पांचवीं बार सत्ता में आने का भरोसा जताया है। उन्होंने कहा, “हम उनका बहुत सम्मान करते हैं और हम उनकी सलाह के अनुरूप काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी के साथ मुख्यमंत्री कुमार के कई वर्षों में उतार-चढ़ाव वाले संबंध रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने नीतीश की टिप्पणी का हाथ जोड़कर जवाब दिया। सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सैद्धांतिक रूप से मुफ्त की योजनाओं के खिलाफ रही है। हालांकि, उसकी इस घोषणा को राष्ट्रीय जनता दल (राजग) नीत विपक्षी 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इक्लूसिव अलायंस(ईडिया गठबंधन)' की ओर से सत्ता में आने पर '200 यूनिट मुफ्त बिजलीदेने के वादे के जवाब के रूप में देखा जा रहा है।

बिहार में बिजली गिरने से 24 घंटे में 17 मौते

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार में पिछले 24 घंटों में बिजली गिरने से 17 लोगों की मौत हो गई। सबसे ज्यादा 5 मौतें नालंदा में हुईं। वैशाली में 4, बांका और पटना 2-2 लोगों की जान चली गई। पटना में गंगा नदी खतरे के निशान के ऊपर रह रही है। राजस्थान के राजसमंद में एक वैन में तीन बच्चों समेत सात लोग सैलाब में फंस गए। वैन से निकले कुछ लोग किनारे आने की कोशिश में पेड़ पर फंस गए थे। करीब 2 घंटे के रेस्क्यू के बाद सभी को बचा लिया गया। यूपी के वाराणसी में गंगा उफान पर हैं। नदी का जलस्तर हर घंटे 1 सेमी बढ़ रहा है। इसके अलावा वरुणा नदी भी उफान पर है। करीब 30 हजार घरों ने बाढ़ का पानी आने से पहले ही पलायन की तैयारी शुरू दी है। बलिया में गंगा नदी ने खतरे के निशान को पार कर लिया है। वहीं, हिमाचल प्रदेश में बारिश से जुड़ी दुर्घटनाओं में अब तक 110 लोगों की मौत हो चुकी है। इसके अलावा 1200 करोड़ रुपए की सरकारी और निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचा है। एक दिन के ब्रेक के बाद अमरनाथ यात्रा शुक्रवार फिर से शुरू कर दी गई है। पिछले कुछ दिनों से जम्मू-कश्मीर में हुई भारी बारिश और 16 जुलाई को बालटाल रूट पर लैंडस्लाइड के बाद यात्रा रोक दी गई थी।

डाइविंग सपोर्ट जहाज आईएनएस निस्तार नौसेना में शामिल

विशाखापत्तनम। देश में बना पहला डाइविंग सपोर्ट जहाज आईएनएस निस्तार शुक्रवार को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया। इसे समुद्र के अंदर 300 मीटर तक रेस्क्यू अभियान के लिए बनाया गया है। इस जहाज का वजन 10,000 टन से ज्यादा है। साथ ही 118 मीटर लंबा है। आईएनएस निस्तार को हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड ने तैयार किया है। विशाखापट्टनम में रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी की मौजूदगी में आईएनएस निस्तार नौसेना को सौंपा गया। ऐसा जहाज दुनिया के चुनिंदा देशों के पास है। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने कहा कि आईएनएस निस्तार सिर्फ एक तकनीकी प्लेटफॉर्म नहीं, बल्कि भारतीय नौसेना की ऑपरेशनल क्षमता को बढ़ाने वाला महत्वपूर्ण कदम है। इसके कमीशन होने के बाद भारत क्षेत्र का सबमरीन रेस्क्यू पार्टनर बन गया है।

महाराष्ट्र विधानसभा मारपीट मामले में एफआईआर, 2 गिरफ्तार

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा में भाजपा और एनसीपी (शरद पवार) विधायकों के समर्थकों के बीच मारपीट मामले में शुक्रवार को एफआईआर दर्ज हुई है। इस मामले में मुंबई पुलिस ने अब तक 2 लोगों को गिरफ्तार किया है। दरअसल, गुरुवार को महाराष्ट्र विधानसभा की लॉबी में भाजपा विधायक गोपीचंद पडलकर और एनसीपी (एसपी) विधायक जितेंद्र आव्हाड के समर्थक भिड़ गए थे।

भारत में रूसी महिला बच्चे के साथ लापता

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को बच्चे की कस्टडी से जुड़े एक अनोखे केस में एक रूसी महिला के लिए लुकआउट नोटिस जारी करने का निर्देश दिया है। महिला 7 मई से बच्चे को लेकर गायब है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और दिल्ली सरकार से दोनों को ढूंढने का आदेश दिया है। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जाँयमाल्या बागची की बेंच ने कहा कि रूसी महिला विक्टोरिया देश छोड़कर नहीं जानी चाहिए। कोर्ट ने मां और बच्चे को ढूंढकर, बच्चे को उसके भारतीय पिता सैकत बसु

को सौंपने का आदेश दिया। कोर्ट को बताया गया कि रूसी महिला और बच्चा जंगल में गायब हो गए हैं। सैकत और उनके परिवार को शक है कि विक्टोरिया भारत की जासूसी करके रूस लौटना चाह रही थी। वह 2019 से भारत में रह रही है। वह एक्स-1 वीजा पर भारत आई थी। सैकत बसु चीन में एक सॉफ्टवेयर कंपनी में इंजीनियर थे। वहां उसकी मुलाकात रूसी महिला विक्टोरिया से हुई। दोनों ने भारत आकर 2017 में शादी कर ली। 2020 में कपल का एक बेटा हुआ। कपल ने कुछ

साल बाद अलग होने का फैसला किया। दिल्ली की फैमिली कोर्ट में दोनों का तलाक केस चल रहा है। पति का आरोप है कि बच्चे की कस्टडी के लिए एक समझौता हुआ था, जिसके तहत बेटा हफ्ते में तीन दिन अपनी मां के साथ रहेगा। कपल बच्चे की जॉइंट कस्टडी के तहत दिल्ली में अलग-अलग घरों में रह रहे थे। बच्चे की बेहतर परवरिश को लेकर कपल एक-दूसरे पर आरोप लगाते रहते थे। बच्चे की कस्टडी को लेकर दोनों ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका भी लगाई थी

दिल्ली के 45,बेंगलुरु के 50 स्कूलों में बम की धमकी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली और बेंगलुरु में शुक्रवार सुबह 80 से ज्यादा स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली। दिल्ली के 45 से ज्यादा स्कूलों को धमकी भरा ईमेल भेजा गया। इनमें पीतमपुरा, द्वारका, पश्चिम विहार, रोहिणी, संगम विहार, समेत दूसरे इलाकों के स्कूल शामिल हैं। सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस, बम निरोधक दस्ता और फायर सर्विस की टीमें स्कूल पहुंची हैं। सावधानी के तौर पर स्कूलों को तुरंत खाली करा लिया गया और तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया। इनके अलावा, दिल्ली

यूनिवर्सिटी के 3 कॉलेजों को भी बम की धमकी मिली है। राजधानी दिल्ली में 5 दिन के भीतर बम धमकी का यह चौथा मामला है। इससे पहले 14 जुलाई को दो, 15 जुलाई को तीन, 16 जुलाई को करीब 10 स्कूलों और दिल्ली यूनिवर्सिटी के सेंट स्टीफनस कॉलेज को धमकी मिली थी। वहीं बेंगलुरु के भी 50 स्कूलों को बम की धमकी दी गई है। पुलिस ने बताया कि यूजर ने सुबह 7.24 बजे 50 स्कूलों की ईमेल आईडी पर स्कूल के अंदर बम होने का मेल भेजा। सूचना मिलते ही पुलिस और बम निरोधक दस्ता अलग-अलग स्कूलों में जाकर जांच

केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में कहा- हम चाहते हैं महिला सुरक्षित लौटे

नई दिल्ली, एजेंसी। यमन में मौत की सजा का सामना कर रही केरल की नर्स निमिषा प्रिया को लेकर सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को सुनवाई हुई। केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि, वे चाहते हैं कि महिला सुरक्षित वापस आए। सरकार हर संभव मदद कर रही है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच में सरकार की तरफ से अर्चना जनरल आर. वेंकटरमणी पेश हुए। उन्होंने कहा- निमिषा को बचाने का प्रयास

किया जा रहा है। उधर याचिकाकर्ता की सजा का सामना कर रही केरल की नर्स निमिषा प्रिया को लेकर सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को सुनवाई हुई। केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि, वे चाहते हैं कि महिला सुरक्षित वापस आए। सरकार हर संभव मदद कर रही है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच में सरकार की तरफ से अर्चना जनरल आर. वेंकटरमणी पेश हुए। उन्होंने कहा- निमिषा को बचाने का प्रयास

अंतरिक्ष से लौटकर शुभांशु चलना सीख रहे

लखनऊ, एजेंसी। अंतरिक्ष में 18 दिन रहकर लौटे लखनऊ के एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला अब डॉक्टरों की निगरानी में हैं। उन्होंने गुरुवार को तबूतों शेर्य करते हुए इंस्टाग्राम पर लिखा- अंतरिक्ष से लौटकर अब फिर से चलना सीख रहा हूं। जैसे धरती से अंतरिक्ष में जाने पर कई तरह के बदलाव होते हैं। उसी तरह के बदलाव लौटने के बाद भी होते हैं। अंतरिक्ष से लौटने के बाद सीधा चलना भी चुनौती

बन जाता है। शरीर की प्रतिक्रिया धीमी हो जाती है। संतुलन बिगड़ता है। इन सबसे मानसिक तनाव भी होता है, लेकिन ये सभी बदलाव अस्थायी होते हैं। समय के साथ शरीर खुद को फिर से संतुलित कर लेता है। एक्सिम मिशन 4 के तहत 25 जून को शुभांशु शुक्ला सहित चार एस्ट्रोनॉट इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन के लिए रवाना हुए थे। 26 जून को भारतीय समयानुसार शाम 4:01 बजे आईएसएस पहुंचे थे।

हमीरपुर के अरुण ने फतेह की लड़ाख की चोटी

सुजानपुर, एजेंसी। हमीरपुर के नादौन क्षेत्र के जोल सप्पड़ पंचायत के काहला पलासि गांव के पर्वतारोही अरुण कुमार ने एक और उपलब्धि हासिल की है। महीने लड़ाख की 6400 मीटर ऊंची चोटी माउंट कांग यास्ते पर तिरंगा फहराया है। अरुण 24 जून को लेह पहुंचे थे। समुद्र तल से अधिक ऊंचाई के कारण उन्होंने 14 दिन लेह में रहकर अपने शरीर को वहां के

मौसम के अनुकूल बनाया। इसके बाद कठिन यात्रा करते हुए वह कांग यास्ते पर्वत के बेस कैंप तक पहुंचे। यात्रा के दौरान उन्हें ठंडी हवाओं और प्रतिकूल मौसम का सामना करना पड़ा। 13 जुलाई को सुबह 8:30 बजे अरुण ने चोटी पर पहुंचकर तिरंगा फहराया। उन्होंने बताया कि इससे पहले 2024 में 7075 मीटर ऊंची माउंट स्लोपंथ पर भी तिरंगा फहरा चुके हैं। उनका लक्ष्य विश्व के सभी



सात महाद्वीपों की सबसे ऊंची चोटियों पर तिरंगा फहराना है। अरुण के अनुसार बर्फीले पहाड़ों पर दिन में चढ़ाई करना मुश्किल होता है। धूप

के कारण बर्फ पिघलने लगती है, इसलिए दुर्गम पहाड़ों की चढ़ाई रात में की जाती है। उनके पिता राज कुमार सेना से सेवानिवृत्त हैं और माता अर्चना देवी गृहिणी हैं। उनका बड़ा भाई वर्तमान में सेना में सेवारत है। जोल सप्पड़ पंचायत के उपप्रधान संतोष कुमार ने कहा कि अरुण की इस उपलब्धि पर पूरी पंचायत को गर्व है। पंचायत उनके घर लौटने पर उनका सम्मान करेगी।

शराब घोटाला-5 दिन की ईडी रिमांड पर चैतन्य बघेल

रायपुर, एजेंसी। भिलाई से ईडी की टीम ने भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य को गिरफ्तार किया है। चैतन्य को रायपुर की स्पेशल कोर्ट ने 22 जुलाई तक ईडी की रिमांड पर भेजा है। छत्तीसगढ़ के भिलाई में प्रवर्तन निदेशालय ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में हुई है। ईडी ने चैतन्य बघेल को रायपुर की स्पेशल कोर्ट में पेश

किया। कोर्ट ने चैतन्य को 22 जुलाई तक ईडी की 5 दिन की रिमांड पर भेजा है। कोर्ट में भूपेश बघेल, चरणदास महंत, मोहम्मद अकबर समेत कई बड़े नेता मौजूद रहे। इसके पहले भूपेश बघेल ने झू पर पोस्ट कर लिखा- ईडी आ गई। आज विधानसभा सत्र का अंतिम दिन है। अडाणी के लिए तमनार में कांटे जा रहे पेड़ों का मुद्दा आज उठाना था। भिलाई निवास में साहेब ने ईडी भेज दी है।

प्रदेश में स्कूल शिक्षा विभाग के 5 केन्द्रीय पुस्तकालय संचालित

भोपाल,एजेंसी। स्कूल शिक्षा विभाग नागरिकों और विद्यार्थियों की सुविधा के लिये 5 केन्द्रीय पुस्तकालय और 36 जिलों में जिला पुस्तकालय संचालित कर रहा है। इन पुस्तकालयों में पाठकों के लिये अनेक उपयोगी पुस्तकें उपलब्ध हैं। विभाग द्वारा अनुदान के साथ स्वामी विवेकानंद लायब्रेरी (पूर्व में ब्रिटिश लायब्रेरी) भोपाल भी संचालित की जा रही है।

शासकीय मौलाना आजाद केन्द्रीय पुस्तकालय भोपाल साहित्यिक पुस्तकों के भण्डार एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिये प्रसिद्ध पुस्तकालय है, जहाँ पाठकों को न्यूनतम शुल्क पर अधिकतम सुविधाएँ प्रदान की जा रही हैं। वर्तमान में पुस्तकालय में लगभग एक लाख से अधिक पुस्तकें हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत, उर्दू, अरबी, फारसी आदि भाषाओं में उपलब्ध हैं। इसके साथ ही विभिन्न मासिक पत्रिका, समाचार-पत्र, इंटरनेट सुविधा, निःशुल्क सेमिनार आदि की सुविधा भी इस पुस्तकालय में उपलब्ध है। पुस्तकालय में 3 रीडिंग हॉल में 600 पाठक बैठकर अध्ययन कर सकते हैं। इस वर्ष मध्यप्रदेश पर्यटन विकास निगम द्वारा पुस्तकालय में मरम्मत एवं विकास कार्य किये गये हैं। पुस्तकालय में अध्ययन सुविधा के लिये 32 केबिन मॉडल स्टडी रूम का भी विकास किया जा रहा है। पुराने भोपाल में इस पुस्तकालय को सेंट्रल लायब्रेरी के नाम से भी जाना जाता है। स्थानीय नागरिकों में पुस्तक एवं पुस्तकालय के प्रति रुचि पैदा करने के उद्देश्य से निःशुल्क पुस्तक मेले का आयोजन भी किया गया है। पुस्तकालय में महिला स्व-सहायता समूह को दीदी केंटीन के संचालन का कार्य भी दिया गया है। अहिल्यादेवी केन्द्रीय पुस्तकालय इंदौर, शासकीय केन्द्रीय पुस्तकालय ग्वालियर, शासकीय केन्द्रीय पुस्तकालय जबलपुर और शासकीय केन्द्रीय पुस्तकालय रीवा का भी संचालन किया जा रहा है।

मीटर रीडिंग में गड़बड़ी करने वाले 2 मीटर रीडर की सेवाएं समाप्त

भोपाल ,एजेंसी। रायसेन वृत्त में विद्युत मीटर रीडिंग के दौरान गड़बड़ी करने वाले 2 मीटर रीडरों की सेवाएं समाप्त कर दी गई हैं। साथ ही 14 मीटर रीडरों को कार्य में लापरवाही के लिये नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए हैं। रायसेन वृत्त के महाप्रबंधक श्री प्रदीप सिंह चौहान ने बताया कि कार्य में लापरवाही बरतने के आरोप में सिलवानी वितरण केन्द्र के मुआफ पाठ सब स्टेशन के मीटर रीडर श्री दीपक जाटव तथा सेवांस्त्री सब स्टेशन के मीटर रीडर श्री अंकित सेन की सेवा समाप्त कर दी गई है। साथ ही ऐसे मीटर रीडर जिनका परफॉर्मेंस लक्ष्य के अनुरूप नहीं पाया गया, इन 14 मीटर रीडरों को आउटसोर्स एजेंसी के माध्यम से नोटिस जारी किये गये हैं।

सांदीपनि और आईसीटी लैब वाले विद्यालयों को मिली कौशल विकास पुस्तिका

भोपाल। प्रदेश में संचालित सांदीपनि और आईसीटी लैब विद्यालयों में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को कम्प्यूटर कौशल से जुड़ी जानकारी पर आधारित पुस्तिका स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा उपलब्ध कराई जा रही है। यह पुस्तिका कक्षा 6 से कक्षा 8 तक के विद्यार्थियों के लिये उपयोगी है। इन पुस्तकों का प्रकाशन पाठ्यपुस्तक निगम से कराया गया है। आयुक्त लोक शिक्षण संचालनालय ने विद्यार्थियों के बीच पुस्तिका के वितरण के संबंध में समस्त जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश जारी किये हैं। लोक शिक्षण संचालनालय ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 में अतिथि शिक्षकों को शत प्रतिशत ई-अटेंडेन्स हमारे शिक्षक एप के माध्यम से दर्ज करने के निर्देश जारी किये हैं। निर्देश में कहा गया है कि यह व्यवस्था प्रदेश में अनिवार्य रूप से लागू होगी।

भारत-इथियोपिया कौशल सहयोग को मिलेगी नई दिशा

भोपाल ,एजेंसी। भारत-इथियोपिया कौशल विकास सहयोग को नई दिशा देने की मंशा से इथियोपिया का 10 सदस्यीय उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भोपाल स्थित संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क (स्क्रिन्सस्क) पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल ने कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टेटवाल से औपचारिक मुलाकात की और मध्यप्रदेश सरकार की ओर से मिल रहे सहयोग के लिए आभार जताया। प्रतिनिधिमंडल ने परिसर का भ्रमण किया और यहां संचालित उच्च स्तरीय प्रशिक्षण सुविधाओं का अवलोकन किया।

प्रतिनिधिमंडल का यह दौरा इथियोपिया में तर्ज पर एक आधुनिक, विश्वस्तरीय और रोजगारोन्मुख कौशल विकास संस्थान की स्थापना के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। प्रतिनिधिमंडल में इथियोपिया के मिनिस्ट्री ऑफ लेबर एंड स्किल्स, बायबोन कंसल्टेंट्स पीएलसी, टीएनटी कंसल्टेशन एंड ट्रेडिंग तथा आर्किटेक्चर एंड इंजीनियरिंग कंसल्टेंट्स पीएलसी जैसे संस्थानों से जुड़े अधिकारी



शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल में आलेमायाहू वोयिमो कोमिबामो, गेतीनेट तिलाहुन गेडा, आमलाकू आलेबाच्यू अनले, तेस्फाये तिलाहुन येहुलावर्क, हबतामू देसालेन सिरफिर, मेधाने गेब्रहर्गिस् तसेमे गेब्रेसलसी, कस्साहुन मामो वॉडिमु हाफतोम गेब्रेयेसुस काहासाय, अस्साये देस्ता तादेसे और किन्फे त्सिगे

गेब्रेगिजयाबेर शामिल थे।

राज्य मंत्री श्री गौतम टेटवाल ने कहा कि इथियोपिया के प्रतिनिधिमंडल का यह दौरा संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल पार्क की अंतरराष्ट्रीय पहचान को और सशक्त करेगा।

भारत और इथियोपिया के बीच व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास



कम्फर्ट पाम कॉलोनी, रोहित नगर फेज 2 और आकृति नींव कॉलोनी में सीवेज लाइन और ट्रंकलाइन के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने अमृत 2.0 योजना के कार्यों को मानसून के बाद प्रारंभ करने पर जोर दिया। नारायण

नगर कॉलोनी के बंद पड़े सम्पवेल को पुनः चालू करने तथा आंतरिक पेयजल पाइपलाइन को अमृत योजना की डीपीआर में शामिल कराने के निर्देश दिए।

राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने

प्रोसपेरा कॉलोनी, रामेश्वरम डीलक्स, यशोदा गार्डन, पार्थ सारथी कॉलोनी, गुलाबी नगर और जाटखेड़ी गांव में सीवेज कार्य प्राथमिकता से करने के निर्देश दिए। बल्क कनेक्शन वाली कॉलोनियों में पानी की आपूर्ति बढ़ाकर 60 हजार लीटर करने, पार्कों का विकास और नालों के सीमांकन एवं चैनललाइजेशन के लिए कार्य योजना बनाने के निर्देश भी दिए।

राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने वार्ड 54 के कुंजन नगर फेज 1 और 2, अग्रवाल नगर, बागसेवनिया बस्ती और अमराई क्षेत्र में बारिश से पहले सीवेज लाइन मरम्मत और नई लाइन डालने के निर्देश दिए गए।

राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने

वार्ड 53 की अंजलि विहार,

जल संसाधन मंत्री सिलावट ने केन्द्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्री यादव से की भेंट

भोपाल ,एजेंसी। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने नई दिल्ली में केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव से मुलाकात की। मंत्री श्री सिलावट ने केन्द्रीय मंत्री से प्रदेश की आठ सिंचाई परियोजनाओं की वन एवं पर्यावरण स्वीकृति के लिए अनुरोध किया। केन्द्रीय मंत्री श्री यादव ने सहमति देते हुए तत्संबंधी कार्रवाई करने के अधिकारियों को निर्देश दिए। मंत्री श्री सिलावट ने इसके लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं केन्द्रीय मंत्री श्री यादव को धन्यवाद दिया।

मंत्री श्री सिलावट ने केन्द्रीय मंत्री को बताया कि कृषि को लाभ का व्यवसाय बनाने का जो सपना प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं प्रदेश के



मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने देखा है उसको पूरा करने और प्रदेश के हर किसान के खेत तक सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने के लिए मध्यप्रदेश जल संसाधन विभाग प्रतिबद्ध है। मध्यप्रदेश की जिन सिंचाई परियोजनाओं को केंद्र द्वारा वन एवं पर्यावरण संबंधी सहमति प्रदान की गई है उनमें मंरा रतनादू बहुउद्देशीय परियोजना डबरा (दतिया),

लोअर ओर वृहद परियोजना अशोक नगर एवं शिवपुरी, चेटीखेड़ी परियोजना खोपुर, मुंझिरी वृहद परियोजना श्योपुर, कोपरा मध्यम सिंचाई परियोजना सागर, छिंदवाड़ा कांफ्लेक्स बैलेंसिंग रिजर्वीयर छिंदवाड़ा, सोनखेड़ी लघु सिंचाई परियोजना बड़वानी और दामखेड़ा लघु सिंचाई योजना खरागोन शामिल है।

मंत्री श्री सारांग ने निर्देश दिए कि

मंत्री श्री सारांग ने निर्देश दिए कि

मंत्री श्री सारांग ने निर्देश दिए कि

मंत्री श्री सारांग ने निर्देश दिए कि

मंत्री श्री सारांग ने निर्देश दिए कि

मंत्री श्री सारांग ने निर्देश दिए कि

मंत्री श्री सारांग ने निर्देश दिए कि

मंत्री श्री सारांग ने निर्देश दिए कि

मंत्री श्री सारांग ने निर्देश दिए कि

मंत्री श्री सारांग ने निर्देश दिए कि

मंत्री श्री सारांग ने निर्देश दिए कि

मंत्री श्री सारांग ने निर्देश दिए कि

मंत्री श्री सारांग ने निर्देश दिए कि

मंत्री श्री सारांग ने निर्देश दिए कि

मंत्री श्री सारांग ने निर्देश दिए कि

मंत्री श्री सारांग ने निर्देश दिए कि

मंत्री श्री सारांग ने निर्देश दिए कि

मंत्री श्री सारांग ने निर्देश दिए कि

मंत्री श्री सारांग ने निर्देश दिए कि

मंत्री श्री सारांग ने निर्देश दिए कि

मंत्री श्री सारांग ने निर्देश दिए कि

मंत्री श्री सारांग ने निर्देश दिए कि

मंत्री श्री सारांग ने निर्देश दिए कि

मंत्री श्री सारांग ने निर्देश दिए कि

मंत्री श्री सारांग ने निर्देश दिए कि

मंत्री श्री सारांग ने निर्देश दिए कि

मंत्री श्री सारांग ने निर्देश दिए कि

मंत्री श्री सारांग ने निर्देश दिए कि

मंत्री श्री सारांग ने निर्देश दिए कि

मंत्री श्री सारांग ने निर्देश दिए कि

मंत्री श्री सारांग ने निर्देश दिए कि

मंत्री श्री सारांग ने निर्देश दिए कि

मंत्री श्री सारांग ने निर्देश दिए कि

मंत्री श्री सारांग ने निर्देश दिए कि

संपूर्ण परिसर में साइनेजस की स्पष्ट एवं सुव्यवस्थित व्यवस्था के लिए एक समर्पित प्रोजेक्ट प्लान तैयार किया जाए। उन्होंने कहा कि कॉम्पलेक्स के सुचारु संचालन एवं विभिन्न राष्ट्रीय-अंतराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए प्रशासनिक भवन, सर्वर रूम, आईटी रूम तथा एक आधुनिक ऑडिटोरियम के निर्माण को ठोस कार्य-योजना तैयार की जाए। मंत्री श्री सारांग ने बिजली, जल आपूर्ति, स्वच्छता जैसी मूलभूत सुविधाओं से संबंधित उपकरणों की खरीदी के पहले विभागीय अनुमोदन अनिवार्य रूप से प्राप्त करने के निर्देश भी दिए।

मंत्री श्री सारांग ने द्वितीय चरण के अंतर्गत निर्माण गतिविधियों की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि खिलाड़ियों एवं आगंतुकों की सुविधा के लिये परिसर के अंदर ही एक उपयुक्त स्थान पर कैफेटेरिया



का निर्माण किया जाए। मंत्री श्री सारांग ने निर्देश दिए कि निर्माण एजेंसी द्वारा किसी भी संबद्ध एजेंसी को देय भुगतान से पहले खेल विभाग से अनापत्ति प्रमाण-पत्र (एनओसी) प्राप्त किया जाना

अनिवार्य होगा। उन्होंने विद्युत व्यवस्था, अग्नि सुरक्षा, साइनेजस, प्रशासनिक भवन एवं परिसर में किए जाने वाले हार्डिकल्चर कार्यों के लिए अलग से प्रोजेक्ट प्लानिंग रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश भी

ऊर्जा मंत्री तोमर ने किया अस्पताल और वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण

भोपाल ,एजेंसी। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बुधवार की मध्य रात्रि ग्वालियर में सिविल अस्पताल हजीरा, बिरला नगर और वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट मोतीझील का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने गंदा वांशरूम देखकर स्वयं सफाई की। साथ ही सम्बन्धित अधिकारियों को सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखने के लिए निर्देशित किया।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने हजीरा सिविल अस्पताल में गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में भर्ती मरीजों का हालचाल जाना। उन्होंने सिविल अस्पताल बिरला नगर का भी निरीक्षण किया।

ऊर्जा मंत्री को उप नगर ग्वालियर के अलग-अलग क्षेत्रों से गंदे पानी की आपूर्ति की शिकायतें मिल रही थीं। उन्होंने बुधवार देर रात अचानक



मोतीझील प्लांट पहुंचकर जल आपूर्ति की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इस दौरान ड्यूटी पर जिम्मेदार अधिकारियों के न मिलने पर निगमायुक्त श्री संघप्रिय से फोन पर चर्चा कर नाराजगी व्यक्त की और कार्यवाही के निर्देश दिए। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने ड्यूटी से गायब अधिकारियों की अनुपस्थिति का पंचनामा बनाकर विभाग को भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने मौजूद स्टाफ से बुधवार को की

गई जल आपूर्ति के सैंपलों की जांच की जानकारी ली। इस दौरान श्री तोमर ने पानी को फिल्टर करने की प्रक्रिया को देखा। उन्होंने की जा रही जल आपूर्ति लोगों के लिए नुकसानदायक तो नहीं है की जानकारी ली। मंत्री श्री तोमर को उपस्थित कर्मियों ने बताया कि पानी के दिन में दो से तीन बार नमूने (सैंपल) लेकर जांच की जा रही है।

जल आपूर्ति तय मानकों के

बच्चों को समय-समय पर प्रतिभा प्रदर्शित करने मंच प्रदान किया जाना चाहिए-मंत्री भूरिया

भोपाल ,एजेंसी। महिला-बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया की उपस्थिति में भोपाल स्थित जवाहर बाल भवन में मुख्यमंत्री बाल खेल एवं सांस्कृतिक महोत्सव 2025 का समापन समारोह आयोजित हुआ। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि बच्चों को समय-समय पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का मंच मिलना चाहिए। यह मंच केवल प्रतिस्पर्धी नहीं, बल्कि उनके आत्मविश्वास, रचनात्मकता और नेतृत्व क्षमता को विकसित करने का अवसर है। कार्यक्रम में सुश्री भूरिया ने प्रतिभागी बच्चों के आत्मविश्वास और उत्साह की



प्रशंसा करते हुए कहा कि यह आयोजन बच्चों के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक सराहनीय पहल है।

उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के इस अभिनव प्रयास की भी सराहना की और

बच्चों को सीखने, आनंद लेने और एक-दूसरे से प्रेरणा लेने के लिए प्रोत्साहित किया। उद्घेखनीय है कि महोत्सव के तहत 20 जून से 20 जुलाई 2025 तक प्रदेशभर में संचालित बालगृहों में खेल

और सांस्कृतिक प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। जिले और संभाग स्तर पर संपन्न इन प्रतियोगिताओं में 6 से 18 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों ने भाग लिया। कुल मिलाकर 40 विधाओं में 286 प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। भोपाल और नर्मदापुरम संभाग के 8 बालगृहों से आए बच्चों के बीच विविध आयु वर्गों में खेल जैसे लॉंग जंप, 100 मीटर दौड़, शतरंज, खो-खो, कबड्डी, केरम और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आयोजन किया गया। संभाग स्तरीय विजेताओं को राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए चयनित किया गया है।

राहुल नगर-हर्षवर्धन में कल बिजली कटौती

भोपाल ,एजेंसी। भोपाल के करीब 25 इलाकों में शनिवार को 2 से 7 घंटे तक बिजली कटौती होगी। इन इलाकों में बिजली कंपनी मंटेनेंस करेगी। इसके चलते सप्लाई पर असर पड़ेगा। जिन इलाकों में बिजली बंद रहेगी, उनमें राहुल नगर, हर्षवर्धन नगर, सिंधी कॉलोनी, शाहजहानाबाद, पुष्पा नगर, लालघाटी जैसे कई बड़े इलाके शामिल हैं। ऐसे में लोग अपने जरूरी काम पहले से निपटा लें। ताकि, बाद में परेशानी का सामना न करना पड़े। सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक मकसी, मद्रासी बस्ती, हर्षवर्धन नगर, पंचशील नगर, राहुल नगर, बागली, पॉम विश्वा कॉलोनी, कस्तूरी एवं आसपास के क्षेत्र। सुबह 10 से शाम 5 बजे तक लालघाटी, ईदगाह फिल्टर प्लांट, कोहेंफिजा एवं आसपास। सुबह 11 से दोपहर 1 बजे तक सिंधी कॉलोनी, शाहजहानाबाद, कबीरा अपार्टमेंट एवं आसपास। सुबह 11.30 से दोपहर 1 बजे तक पुष्पा नगर, कामू का बाग, महामाई का बाग एवं आसपास। दोपहर 12 से 2 बजे तक बिसनखेड़ी, बैरागढ़ मंडी एवं आसपास। दोपहर 1.30 से 3 बजे तक शंकराचार्य नगर, धोबी घाट एवं आसपास के इलाके।



उजागर हुआ था, तब भी उनका नाम घसीटा गया और उन्हें उस समय भी मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया। उन्होंने कहा कि वह अब अपने परिवार से पूरी तरह अलग हो रही हैं, लेकिन राजनीति में सक्रिय बनी रहेंगी। उन्होंने यह भी दोहराया कि गंगा, गोमाता और शराबबंदी को लेकर उनका संघर्ष आजীবन जारी रहेगा। उमा ने कहा कि केंद्र सरकार गंगा शुद्धिकरण के लिए काम कर रही है और मध्य प्रदेश सरकार ने भी गाय के संरक्षण के लिए प्रयास शुरू किए हैं।

भारी बारिश से बही सड़क, तीन गांवों के 5000 लोगों का रास्ता हुआ मुश्किल

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। जिले के सिंहावल जनपद पंचायत की पोखडौर ग्राम पंचायत में शुक्रवार को भारी बारिश के कारण गोडहां गांव की मुख्य सड़क पानी के तेज बहाव में टूट कर बह गई। इस सड़क से पोखडौर, गोडहां और सरखनिया गांव जुड़े थे। अब इन तीनों गांवों की करीब 5000 की आबादी मुख्य मार्ग से कट गई है। सुबह करीब 11 बजे तेज जलधारा ने सड़क को बीच से काट दिया।

इससे गांव के लोगों का जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हुआ है। स्कूल, कॉलेज और अस्पताल जाने के लिए कोई वैकल्पिक मार्ग नहीं है। स्थानीय निवासी राम भवन शुक्ला के अनुसार, दो दिन से लगातार बारिश हो रही है। उन्होंने बताया कि इस क्षेत्र में पुल या जल निकासी की उचित व्यवस्था नहीं थी। ना तो ग्राम पंचायत और ना ही प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत काम कर रहे कर्मचारियों ने पुल निर्माण की दिशा में कोई कदम उठाया। एसडीएम प्रिया पाठक ने कहा कि प्रशासन स्थिति से अवगत है। उन्होंने ग्रामीणों के लिए वैकल्पिक रास्ते की व्यवस्था करने का आश्वासन दिया है। साथ ही क्षतिग्रस्त सड़क की मरम्मत जल्द शुरू करने की बात कही है।

उच्च न्यायालय के आदेश पर मझगवां स्वास्थ्य केंद्र के देखभालकर्ता को पद से हटाया गया

मीडिया ऑडिटर, सतना (निप्र)। सुरक्षा सेवा को अन्नपूर्णा को नियुक्त करने मझगवां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के का निर्देश दिया। इसके बाद स्काई बुल पोषण पुनर्वास केंद्र में देखभालकर्ता के पद पर कार्यरत रूपेंद्र सिंह राजू को उच्च न्यायालय के आदेश पर पद से हटा दिया गया। यह पद महिलाओं के लिए आरक्षित था, लेकिन रूपेंद्र सिंह अब तक इस पद पर कार्यरत थे। कु. अन्नपूर्णा पांडेय की याचिका पर उच्च न्यायालय ने 26 जून 2025 को जिला चिकित्सा अधिकारी और स्काई बुल



सुरक्षा सेवा ने 20 दिन बाद, 17 जुलाई 2025 को अन्नपूर्णा की नियुक्ति का आदेश जारी किया।

नशे से दूरी है जरूरी - सीधी में हुआ संयुक्त जागरूकता एवं संकल्प कार्यक्रम

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी एवं पुलिस अधीक्षक डॉ रविन्द्र वर्मा के निर्देशन तथा सामाजिक न्याय विभाग के प्रभारी अशोक तिवारी के मार्गदर्शन में पुलिस विभाग सीधी एवं सामाजिक न्याय विभाग सीधी के संयुक्त तत्वावधान में प्ले से दूरी है जरूरी विषय पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मझरिया बंस्ल बस्ती एवं साकेत बस्ती में आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य समाज में नशा मुक्ति के प्रति जनजागरूकता फैलाना और लोगों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराना था।

कार्यक्रम का आयोजन सीधी जिले के पुलिस उप अधीक्षक अमन मिश्रा के मार्गदर्शन एवं दिशा-निर्देशन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में थाना प्रभारी कोतवाली कन्हैया सिंह बघेल, थाना प्रभारी जमोड़ी पुष्पेंद्र सिंह एंजेके थाना प्रभारी रामलोटन साकेत, पुलिस विभाग के अन्य अधिकारीगण एवं दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र से शिवासु शुक्ला विशेष रूप से उपस्थित रहे।

इस अवसर पर वक्ताओं ने स्थानीय नागरिकों को नशे की लत के सामाजिक, मानसिक एवं



शारीरिक दुष्परभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही, सामाजिक न्याय विभाग द्वारा चलाई जा रही नशा मुक्ति योजनाओं एवं पुनर्वास सेवाओं की जानकारी भी साझा की गई, जिससे लोग इन योजनाओं का लाभ उठा सकें।

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी नागरिकों को नशा न करने और समाज को नशा मुक्त बनाने

का संकल्प भी दिलाया गया। इस प्रेरणादायक पहल ने उपस्थित लोगों को गहराई से प्रभावित किया और उन्हें सकारात्मक बदलाव के लिए प्रेरित किया। स्थानीय नागरिकों ने इस प्रयास का गर्मजोशी से स्वागत किया और नशा मुक्त समाज की दिशा में इस प्रकार की पहलों को निरंतर जारी रखने की आवश्यकता पर बल दिया।

सीधी से ब्यौहारी मार्ग पर वाहनों के आवागमन 31 जुलाई तक पूर्णतः प्रतिबंधित कर मार्ग परिवर्तित किया गया

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। लोकहित को दृष्टिगत रखते हुये कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने आदेश जारी कर मोटरयान अधिनियम, 1988 की धारा-115 सहपठित म.प्र. मोटरयान नियम, 1994 के नियम 215 में प्रदत्त शक्तियों के तहत सीधी से ब्यौहारी मार्ग पर वाहनों के आवागमन को 18 जुलाई से 31 जुलाई तक के लिये पूर्णतः प्रतिबंधित कर मार्ग परिवर्तित किया गया है। जारी आदेशानुसार ब्यौहारी से सीधी के लिए ब्यौहारी ह्वाया बघवार से चुरहट से सीधी मार्ग परिवर्तित किया गया है। इसी प्रकार मझौली से ब्यौहारी के लिए मझौली -चुवाही -सीधी-चुरहट बघवार-ब्यौहारी, सीधी से ब्यौहारी के लिए सीधी- चुरहट बघवार-ब्यौहारी एवं ब्यौहारी से मझौली के लिए ब्यौहारी बघवार-चुरहट-सीधी- चुवाही- मझौली मार्ग परिवर्तित किया गया है। उक्त आदेश का उल्लंघन किये जाने पर संबंधित के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा- 223 के अंतर्गत कार्यवाही की जावेगी।

सोन नदी का जल स्तर बढ़ा, चितरंगी में बाढ़ जैसे हालात; सोन-गोपद नदी उफान पर, सोन के 29 गांवों में अलर्ट

मीडिया ऑडिटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले में दो दिन से लगातार हो रही बारिश से नदी-नालों का जलस्तर बढ़ गया है। चितरंगी क्षेत्र में सोन और गोपद नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। प्रशासन ने सोन तराई अंचल के 29 गांवों को अलर्ट किया है। चितरंगी क्षेत्र में 18 जुलाई को सर्वाधिक 107 मिमी यानी 4.21 इंच बारिश दर्ज की गई। देवसर में 103 मिमी यानी 4 इंच, सिंगरौली में 87 मिमी यानी 3.4 इंच, सरई में 99 मिमी यानी 3.8 इंच और माझ में 83 मिमी यानी 3.2 इंच बारिश हुई। जिले में अब तक कुल 554 मिमी यानी 21.8 इंच बारिश दर्ज की गई है। पिछले साल इसी समय मात्र 189 मिमी यानी 7.4 इंच बारिश हुई थी।

नदियों के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए क्योटली और चित्तवाहन में सोन नदी पर बने पुलों के पास पुलिस ने बैरिकेड लगाकर आवागमन रोक दिया गया है। स्थानीय निवासी सुखसेन नाई के अनुसार, करीब पांच साल बाद सोन नदी का जलस्तर इतना अधिक बढ़ा है। सोन और गोपद नदी का



जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है, जिससे आसपास के घरों तक बाढ़ का पानी पहुंचने की आशंका है। ग्राम गांगी निवासी लवलेश सिंह चौहान ने बताया कि जिस वेग से नदी का पानी बढ़ रहा है। ऐसे में बाढ़ का खतरा

मझरा रहा है। चारों तरफ जहां-जहां नजरे जाती हैं, वहां पानी ही पानी नजर आ रहा है। चितरंगी ब्लॉक के ओड़नी एवं केकराव गांव के बंद घरों में पानी इस तरह घुसा है कि लोग परेशान हैं। हालांकि शुक्रवार दोपहर तक

बारिश से राहत थी, लेकिन दोपहर के बाद फिर से अंचल में बारिश का दौर जारी है। तहसील चितरंगी क्षेत्र में हो रही मूसलधार बारिश के चलते जहां सोन नदी उफान पर है। वहीं नाले भी रौंदरूप दिखा रहे हैं।

खनिज प्रतिष्ठान से अनूपपुर को मिले 69.50 करोड़ 120 विकास कार्यों के लिए राशि का होगा उपयोग, नेताओं से मांगे प्रस्ताव

मीडिया ऑडिटर, अनूपपुर (निप्र)। जिला खनिज प्रतिष्ठान न्यास मंडल की बैठक कलेक्टर हर्षल पंचोली की अध्यक्षता में की गई। इसमें वर्ष 2024-25 के लिए खनिज प्रतिष्ठान मद से प्राप्त राशि के उपयोग पर चर्चा हुई। जिले को कुल 71.65 करोड़ रुपए प्राप्त हुए। इसमें से 3 प्रतिशत राशि शासन को भेजने के बाद 69.50 करोड़ रुपए जिले के विकास कार्यों के लिए उपलब्ध होंगे। कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि राशि का उपयोग ग्रामीण क्षेत्रों की मूलभूत सुविधाओं के विकास में किया जाए। उन्होंने पुल-पुलिया और रपटा जैसे कार्यों को प्राथमिकता देने का सुझाव दिया। साथ ही सामुदायिक भवन, सांस्कृतिक मंच, विद्यालयों में फर्नीचर, शौचालय और आंगनवाड़ी भवनों के निर्माण व मरम्मत पर जोर दिया।

पुष्पराजगढ़ विधायक फुंदेला सिंह मार्को ने बताया कि उनके क्षेत्र में 75 आंगनवाड़ी केंद्र मरम्मत की जरूरत है। उन्होंने अमरकंटक विश्वविद्यालय से छत्तीसगढ़ सीमा तक सड़क निर्माण की मांग भी की।



नगरीय निकायों के अध्यक्षों ने भी अपने क्षेत्रों की समस्याएं रखीं। कलेक्टर ने सभी जनप्रतिनिधियों से उच्च प्राथमिकता वाले कार्यों के प्रस्ताव जल्द भेजने

को कहा। इससे प्रशासकीय स्वीकृति की प्रक्रिया शीघ्र शुरू की जा सकेगी। जिले में इस राशि से कुल 120 प्रकार के विकास कार्य किए जाएंगे।

अनियंत्रित हाईवा पेड़ से टकराया, ड्राइवर घायल जेसीबी की मदद से रेस्क्यू,10 किमी की सड़क खराब, आश्वासन के बाद भी कार्रवाई नहीं

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। जिले के रामपुर नैकिन जनपद के बगोहा में एक हाईवा अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गया। हादसे में ड्राइवर गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना शुक्रवार दोपहर 3:30 बजे की है। जेसीबी की मदद से हाईवा को हटाया गया: एक्सीडेंट के बाद स्थानीय लोगों ने मौके पर पहुंचकर जेसीबी की मदद से हाईवा को हटाने की कोशिश की। घायल ड्राइवर को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। अभी तक ड्राइवर की पहचान नहीं हो पाई है। यह सड़क लगभग 10 किलोमीटर लंबी है और सालों से क्षतिग्रस्त स्थिति में है। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर लीला साहू ने कई बार वीडियो पोस्ट कर इस सड़क की समस्या को सरकार के सामने रखा है।

आश्वासन के बावजूद नहीं शुरू हुआ काम: पीडब्ल्यूडी मंत्री, स्थानीय सांसद, कांग्रेस विधायक और पूर्व नेता प्रतिपक्ष ने इस



सड़क के लिए आश्वासन दिए। लेकिन अभी तक कोई काम शुरू नहीं हुआ है। खड्डी चौकी प्रभारी नीरज साकेत ने बताया कि सड़क की

स्थिति बेहद खराब है। यहां आए दिन वाहन अनियंत्रित होते हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

खरीफ फसलों का बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 जुलाई

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। उपसंचालक कृषि संजय श्रीवास्तव ने जानकारी देकर बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत खरीफफसलों का बीमा कराने की अन्तिम तिथि 31 जुलाई 2025 है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अन्तर्गत मौसम, सूखा, बाढ़, ओलावृष्टि आदि प्राकृतिक आपदाओं से यदि किसानों की फसल खराब होती है तो इस स्थिति में फसल को होने वाले नुकसान की छतिपूर्ति की जाती है।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत समस्त रूग्णी व अरूग्णी किसान 31 जुलाई 2025 तक फसलों का बीमा करा सकते हैं। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में पटवारी हल्का स्तर पर अरहर, मक्का एवं धान, तहसील स्तर पर तिल, ज्वार एवं कोदो कुटकी तथा जिला स्तर पर उड़द एवं मूंग फसलों को अधिमुचित किया गया है। किसानों के लिए खरीफमौसम में प्रीमियम दर अनाज, तिलहन, दलहन सभी फसलों के लिए बौमित राशि का 2 प्रतिशत या वास्तविक दर जो भी कम हो देय होगी।

उप संचालक कृषि श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत धान सिंचित फसल की बीमाधन राशि प्रति हेक्टेयर 42 हजार 900 रुपये है जिसकी 2 प्रतिशत बीमाकन राशि 858 रुपये हैं, धान असिंचित फसल की प्रति हेक्टेयर बीमाधन राशि 32 हजार 400 रुपये है जिसकी 2 प्रतिशत बीमाकन राशि 648 रुपये हैं। अरहर फसल की प्रति हेक्टेयर बीमाधन राशि 30 हजार 600 रुपये है जिसकी 2 प्रतिशत बीमाकन राशि 612 रुपये हैं, मक्का फसल की प्रति हेक्टेयर बीमाधन राशि 31 हजार 350 रुपये हैं जिसकी 2 प्रतिशत बीमाकन राशि 627 रुपये हैं मूंग फसल की प्रति हेक्टेयर बीमाधन राशि 24 हजार 100 रुपये हैं जिसकी 2 प्रतिशत बीमाकन राशि 482 रुपये हैं उड़द फसल की प्रति हेक्टेयर बीमाधन राशि 23 हजार 50 रुपये हैं जिसकी 2 प्रतिशत बीमाकन राशि 461 रुपये हैं तिल फसल की प्रति हेक्टेयर बीमाधन राशि 24 हजार 780 रुपये हैं जिसकी 2 प्रतिशत बीमाकन राशि 495.60 रुपये हैं ज्वार फसल की प्रति हेक्टेयर बीमाधन राशि 23 हजार 923 रुपये हैं जिसकी 2 प्रतिशत बीमाकन राशि 478.46 रुपये हैं, कोदो कुटकी फसल की प्रति हेक्टेयर बीमाधन राशि 15 हजार 803 रुपये हैं जिसकी 2 प्रतिशत बीमाकन राशि 316.06 रुपये हैं प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत फसल बीमा करवाने की अन्तिम तिथि 31 जुलाई 2025 है।

अरूग्णी कृषक (अल्पकालिक फसल रूग्ण न लेने वाले कृषक) अपनी फसलों का बीमा अपनी नजदीकी बैंक/शाखा जहाँ कृषक का बैंक खाता है के माध्यम से नजदीकी सी.एस.सी सेंटर के द्वारा करा सकते हैं, या फिर क्राप इश्योरेंस एप को किसान भाई गुगल प्ले स्टोर से डाउनलोड कर स्वयं भी कर सकते हैं।

नवोदय विद्यालय में कक्षा 6वीं में आवेदन की अंतिम तिथि 29 जुलाई



जिले के अधिक से अधिक बच्चों को प्रोत्साहित करने प्राचार्य ने अधिकारियों से की भेंट

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। नवोदय विद्यालय कक्षा 06 में सत्र 2025-26 के एडमिशन के लिए प्रवेश परीक्षा के फॉर्मऑन लाइन भरे जा रहे हैं। फर्म भरने की अंतिम तिथि 29 जुलाई 2025 निर्धारित की गई है। आवेदन पत्र नवोदय विद्यालय सिलेक्शन टेस्ट कक्षा छठी में फर्म बढ़ाने के लिए इस संदर्भ में नवोदय विद्यालय समिति नई दिल्ली राजेश लखानी आई.ए.एस. आयुक्त नवोदय विद्यालय समिति हेडकार्टर दिल्ली के डियो लेटर को कलेक्टर को हस्तांतरित करने तथा आर.के. वर्मा उपयुक्त तथा सहायक आयुक्त दीक्षा ज्योति मिश्रा, लेखराज मीणा एवं डी.के. सिंह क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल के डायरेक्शन में विद्यालय के प्राचार्य डॉ. डीके त्रिपाठी और जेएनवीएस्टी इंचार्ज सुधीर सरोज ने जिला कलेक्टर कार्यालय के अपर कलेक्टर एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी अंशुमन राज एवं जिला शिक्षा अधिकारी पवन कुमार सिंह, डी.पी.सी. राजेश कुमार तिवारी, असिस्टेंट डायरेक्टर एजुकेशन ओशो उत्सव और ए.पी.सी. सुजीत कुमार मिश्रा, प्रवीण कुमार शुक्ला एडी.पी. सी. से मिलकर विद्यालय के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को प्रवेश के लिए डियो लेटर जिला कलेक्टर को हस्तांतरित किया गया।

साथ ही हाई स्कूल खैरा ब्लॉक सिंहावल सीधी के विद्यालय को भी खिजिट किया जिसमें प्राचार्य अनुज कुमार तिवारी और उनके अधीनस्थ कृष्णा कुमार द्विवेदी और अमित सिंह बघेल उनके स्टाफएवं कक्षा पांचवी और दसवीं के विद्यार्थियों को अधिक से अधिक फॉर्म भरने के लिए प्रेरित किया गया।

ट्रैक्टर के नीचे दबने से किसान की मौत, खेत जुताई करते समय कीचड़ में फंसा



मीडिया ऑडिटर, शहडोल (निप्र)। ब्यौहारी थाना क्षेत्र के देवराव गांव में खेत की जुताई के दौरान एक दुखद घटना सामने आई है। चालक सुदीप साहू की ट्रैक्टर पलटने से मौत हो गई। घटना मुनिराज सिंह के खेत में हुई। सुदीप साहू ट्रैक्टर से कंट्रोलवेयर लगाकर जुताई कर रहा था। लगातार बारिश के कारण मिट्टी गीली थी। ट्रैक्टर का पहिया कीचड़ में फंस गया।

चालक ने जब ट्रैक्टर को निकालने का प्रयास किया, तभी इंजन अनियंत्रित होकर उसके ऊपर पलट गया। स्थानीय लोग मदद के लिए दौड़े। उन्होंने चालक को बचाने का प्रयास किया। लेकिन वह इंजन के नीचे से सुदीप को नहीं निकाल पाए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। उप निरीक्षक मोहन पड़वार के नेतृत्व में पुलिस ने शव को इंजन से बाहर निकलवाया। पुलिस ने मामले में मार्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। बारिश के मौसम में खेतों में जुताई का काम चल रहा है। किसान ट्रैक्टर से खेतों की जुताई करवा रहे हैं।

प्लेसमेंट समारोह में गर्व और खुशी के आंसू



भोपाल। संत शिरोमणि रविदास वैश्विक कौशल पार्क में नियुक्ति पत्र वितरण समारोह उत्साह और गरिमा के साथ संपन्न हुआ। प्रथम बैच के सभी छात्रों को देश-विदेश की नामी कंपनियों में 100% नियुक्ति मिली। अधिकतम 9 लाख रुपये का वार्षिक पैकेज और 18 से अधिक छात्रों का चयन हंगरी, अबू-धाबी, जापान जैसे देशों में हुआ। समारोह में माता-पिता की आंखों में गर्व और खुशी के आंसू छलक पड़े। दीप प्रज्वलन और संस्थान गीत ने माहौल को भावनात्मक बनाया। कौशल विकास मंत्री डॉ. गौतम टेटवाल और प्रमुख सचिव विवेक पोरवाल ने वीडियो संदेश से छात्रों को प्रेरित किया। यह आयोजन मेहनत, विश्वास और सपनों के पूर्ण होने का उत्सव बना।

बैठक में डीआईओ डॉ. नागेंद्र बिहारी दुबे, समस्त विकासखंड के प्रतिनिधि एवं महिला बाल विकास के प्रतिनिधि उपस्थित



हैं। सीएमसीएचओ डॉ. खरे ने यह भी निर्देश दिया कि ग्राम में आशा के माध्यम से नारे लेखन, समूह चर्चा और कैप के दिन साफसफाई एवं शिक्षा विभाग के सहयोग से हंड वाश का प्रदर्शन बच्चों के सामने किया जाए। पीएचई विभाग से सामंजस्य बनाकर पानी की टंकी की सफाई एवं स्वच्छ पानी के प्रयास एवं समझाइए दें। तथा जिले से मॉनिटरिंग दल द्वारा प्रत्येक विकासखंड का नियमित सुपरविजन के साथ अभियान का संचालन किया जाए।

विचार

वैश्विक राजनीति का परिदृश्य बदल कर रख सकता है भारत-चीन-रूस का त्रिपक्षीय मंच आरआईसी

चीन ने रूस द्वारा की गई रूस-भारत-चीन त्रिपक्षीय सहयोग को पुनर्जीवित करने की पहल का समर्थन किया है। उल्लेखनीय है कि यह कोई नया मंच नहीं है, बल्कि 1990 के दशक के उत्तरार्ध से ही यह इन तीन देशों के बीच संवाद का माध्यम रहा है। हालाँकि, बीते वर्षों में चीन-भारत सीमा विवाद और रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते यह मंच निष्क्रिय-सा हो गया था। अब चीन का समर्थन इस ओर इशारा करता है कि विश्व राजनीति में एक नई धुरी बनने की संभावना फिर से उभर रही है। हम आपको बता दें कि रूस जहाँ सैन्य शक्ति, ऊर्जा संसाधन और यूरोपीय-एशियाई भू-राजनीति में प्रमुख खिलाड़ी है वहीं भारत विश्व की सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था, युवा जनसंख्या और इंडो-पैसिफिक में रणनीतिक ताकत है। दूसरी ओर चीन दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और एशिया का आर्थिक इंजन है। यदि ये तीनों देश मिलकर साझा हितों के आधार पर आगे बढ़ते हैं, तो यह पश्चिम के नेतृत्व वाली मौजूदा विश्व व्यवस्था के लिए बड़ी चुनौती बन सकते हैं। अगर यह तीनों देश साथ आते हैं तो अमेरिकी वर्चस्व को सीधे-सीधे चुनौती मिलेगी। देखा जाये तो अब तक वैश्विक व्यवस्था अमेरिका और उसके सहयोगियों के प्रभुत्व में रही है। यदि रूस-भारत-चीन साथ आते हैं, तो वे एक मल्टी-पोलर वर्ल्ड यानी बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था को मजबूती देंगे, जिसमें अमेरिका का वर्चस्व कम होगा।

इसके अलावा, ये तीनों देश संयुक्त राष्ट्र, जैसी संस्थाओं में अहम भूमिका निभाते हैं। यदि वे एक सुर में बोलें तो वैश्विक एजेंडा (जलवायु, विकास, आतंकवाद) पश्चिम के हितों के बजाय इन देशों के पक्ष में ढल सकता है। साथ ही यूरोप में रूस-यूक्रेन युद्ध, एशिया में अमेरिका-चीन टकराव और भारत-चीन सीमा विवाद जैसे मुद्दों के बीच यदि ये तीनों मिलकर काम करते हैं, तो वैश्विक ध्रुवीकरण और तेज हो सकता है। तीनों देशों के साथ आने से खुद भारत, रूस और चीन को क्या लाभ होगा, यदि इसका जिक्र करें तो आपको बता दें कि रूस-चीन के साथ अच्छे रिश्तों से भारत सामरिक संतुलन बना सकता है। साथ ही भारत ऊर्जा, रक्षा, टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में रूस और चीन से नए अवसर पा सकता है। इसके अलावा, इस त्रिकोण से भारत को चीन के साथ स्थायी संवाद करने से सीमा विवाद में तनाव कम करने का मंच मिलेगा। वहीं रूस को होने वाले लाभों को देखें तो पश्चिमी प्रतिबंधों के बीच उसे एशिया में नए साझेदारों के साथ आर्थिक, राजनीतिक और सैन्य विकल्प मिलेंगे। साथ ही चीन-भारत दोनों को साथ रखकर रूस अपनी रणनीतिक भूमिका को पुनः मजबूत कर सकता है। इस गठजोड़ से चीन को होने वाले लाभ को देखें तो इससे अमेरिका के खिलाफ नया संतुलन बनेगा। साथ ही भारत के साथ टकराव को कम करके चीन अपने आर्थिक और भू-राजनीतिक हितों को सुरक्षित कर सकेगा और रूस के साथ ऊर्जा और रक्षा के क्षेत्र में उसके गहरे संबंध बनेंगे। तीनों देशों के गठजोड़ में संभावित बाधाओं और चुनौतियों को देखें तो भारत-चीन सीमा विवाद और विश्वास की कमी सबसे बड़ी बाधा है। इसके अलावा, यह भी डर है कि रूस-चीन की बढ़ती नजदीकी कहीं भारत को हाशिए पर न धकेल दे। साथ ही भारत पश्चिम (अमेरिका, फ्रांस, जापान) के साथ भी गहरे संबंध चाहता है, जिससे यह त्रिकोण अस्थिर रह सकता है।

हम आपको बता दें कि भारत, रूस और चीन के गठजोड़ आरआईसी को पुनर्जीवित करने में रूस और चीन की दिलचस्पी हाल ही में विदेश मंत्री एस जयशंकर के शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेने के लिए बीजिंग की यात्रा करने के बाद बढ़ी है। इस दौरान, जयशंकर ने चीन के विदेश मंत्री वांग यी और उनके रूसी समकक्ष सर्गेई लावरोव सहित शीर्ष चीनी-रूसी अधिकारियों के साथ बातचीत की थी। हम आपको याद दिला दें कि रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने गई महीने में कहा था कि रूस, जिसके भारत और चीन के साथ घनिष्ठ संबंध हैं, आरआईसी प्रारूप को पुनर्जीवित करने में ‘‘ वास्तव में रुचि ’’ रखता है। उन्होंने कहा था कि रूस के पूर्व प्रधानमंत्री येवेगेनी प्रिमाकोव की ओर से शुरू की गई त्रिपक्षीय व्यवस्था के परिणामस्वरूप तीनों देशों के बीच विभिन्न स्तरों पर 20 बैठकें हुई थीं।

पंच परिवर्तन से बदल जाएगा समाज का चेहरा-मोहरा

प्रो. संजय द्विवेदी

इतिहास के चक्र में किसी सांस्कृतिक संगठन के सौ साल की यात्रा साधारण नहीं होती। यह यात्रा बीज से बिरवा और अंततः उसके वटवृक्ष में बदल जाने जैसी है। ऐसे में उस संगठन के भविष्य की यात्रा पर विमर्श होना बहुत स्वाभाविक है। स्वतंत्रता के अमृतकाल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संकल्प भविष्य के भारत की रचना में सहयोगी बन सकते हैं। अपने शतादी वर्ष में संघ ने ‘पंच परिवर्तन’ का संकल्प लिया है। यह पंच परिवर्तन या है? इससे या होने वाला है? इसे भी जानना जरूरी है। संघ की मान्यता है कि व्यवस्था परिवर्तन का लक्ष्य तभी पूरा होगा, जब भारत की व्यवस्थाएं ‘स्व’ पर आधारित हों। ‘स्व’ आधारित तंत्र बनाना साधारण नहीं है। महात्मा गांधी से लेकर देश के तमाम विचारक और राजनेता ‘स्व’ की बात करते रहे,किंतु व्यवस्था ने उनके विचारों को अप्रासंगिक बना दिया। समाज परिवर्तन के बिना व्यवस्था परिवर्तन संभव नहीं, इसे भी सब मानते हैं।



वैचारिक संभ्रम इसका बहुत बड़ा कारण है। हम आत्मविस्मृति के शिकार और आत्मदैन्य से घिरे हुए समाज हैं। गुलामी के लंबे कालखंड ने इस दैन्य को बहुत गहरा कर दिया है। इससे हम अपना मार्ग भटक गए। स्वामी विवेकानंद, महर्षि अरविंद, स्वामी दयानंद सरस्वती, लोकमान्य तिलक, महात्मा गांधी, बाबा साहब आंबेडकर हमें वह रास्ता बताते हैं जिनपर चलकर हम अपनी कुरीतियों से मुक्त एक सक्षम, आत्मनिर्भर और स्वाभिमानी समाज बन सकते थे। किंतु अंग्रेजों के बाद सत्ता में आए नायकों ने सारा कुछ बिसरा दिया। उस आरंभिक समय में भी दीनदयाल उपाध्याय और डा. राममनोहर लोहिया जैसे नायक भारत की आत्मा में झांकने का प्रयास करते रहे किंतु सत्ता की राजनीति को वे विचार अनुकुल नहीं थे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपने शताब्दी वर्ष में पंच परिवर्तन का जो संकल्प लिया है,वह भारत की चिति और उसकी स्मृति को जागृत करने का काम करेगा। राष्ट्रीय चेतना का स्तर बढ़ाने के लिए 1.नागरिक कर्तव्य, 2. स्वदेशी, 3. पर्यावरण संरक्षण, 4.समरसता, 5.कुटुंब प्रबोधन जैसे पांच संकल्प ही पंच परिवर्तन के सूत्र हैं। इन विषयों में भारत की आत्मा को झकझोरकर जगाने और ‘नया भारत’ बनाने का संकल्प झलकता है।

नागरिक कर्तव्यबोध से नवचेतन का संचार

किसी भी राष्ट्र और लोकतंत्र की सफलता उसके नागरिकों की सहभागिता और कर्तव्यबोध से ही सार्थक होती है। एक

जीवंत लोकतंत्र की गरंटी उसकी नागरिक चेतना ही है। कानूनों की अधिकता और उसे न मानने का मानस दोनों साथ-साथ चलते हैं। अपनी माटी के प्रति प्रेम, उत्कट राष्ट्रभक्ति ही सफल राष्ट्र का आधार है। जापान जैसे देशों का उदाहरण देते समय हमें देखना होगा कि क्या हमारी राष्ट्रीय चेतना और संवेदना वही है जो एक जापानी में है। आखिर क्या कारण है कि अपनी महान परंपराओं, ज्ञान परंपरा के बाद भी हम एक लापरवाह और कुछ मामलों में अराजक समाज में बदलते जा

हैं। कानूनों को तोड़ना यहां फैशन है। यहां तक की हम सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने और सड़कों पर रेड लाइट का उल्लंघन करने से भी बाज नहीं आते। ये बहुत छोटी बातें लगती हैं, किंतु हैं बहुत बड़ी। चुनावों में शत प्रतिशत मताधिकार तो दूर का सपना है। बहुत शिक्षित शहरों में वोटिंग 50 प्रतिशत से आगे नहीं बढ़ पाती। ये सूचनाएं बताती हैं कि हमें अभी जागरूक नागरिक या सजग भारतीय होना शेष है।कानूनों का पालन, कर का समय पर भुगतान, सामाजिक और सामुदायिक सेवा, पर्यावरण संरक्षण, राष्ट्रीय संपत्ति की सुरक्षा जरूरी है। एक शानदार समाज की पहचान है कि वह अपने परिवेश को न सिर्फ स्वच्छ और सुंदर बनाने का प्रयास करता है बल्कि अपने प्रयासों से अन्यो को भी प्रेरित करता है। देखा जाता है कि हममें अधिकार बोध बहुत है किंतु कर्तव्यबोध कई बार कम होता है। जबकि संविधान हमें

मौलिक अधिकारों के साथ कर्तव्यों की भी सीख देता है। हमारे धार्मिक ग्रंथ हमें नागरिकता और सामाजिक आचरण का पाठ पढ़ाते हैं। सवाल यह है कि हम उन्हें अपने जीवन में कितना उतार पाते हैं।

स्वदेशी से बनेगा स्वाभिमानी और आत्मनिर्भर भारत पंचपरिवर्तन का दूसरा सूत्र है ‘स्वदेशी’। स्वदेशी सिर्फ आत्मनिर्भरता का मामला नहीं है यह राष्ट्रीय स्वाभिमान का भी विषय है। अपनी जमीन पर खड़े रहकर विकास की यात्रा ही स्वदेशी का मूलमंत्र है। विनोबा जी कहते थे- स्वदेशी का अर्थ है आत्मनिर्भरता और अहिंसा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इसे सादगी से भी जोड़ता है। जिसके मायने हैं मितव्ययिता से जियो, कंजूसी से नहीं। स्वदेशी का सोच बहुत व्यापक है। परिवारों में भाषा, वेशभूषा, भवन, भ्रमण, भजन और भोजन ये छः चीजें हमारी ही होनी चाहिए। हम विदेशी भाषा, बोलें, दुनिया के साथ संवाद करें। किंतु अपने परिवारों अपनी मातृभाषा का उपयोग करें। विदेशी वस्त्रों से परहेज नहीं किंतु पारिवारिक मंगल आयोजनों और उत्सवों में अपनी वेशभूषा धारण करें। स्वभूषा, उपासना पद्धति, भोजन हमारा होना चाहिए। इसी तरह हम पूरी दुनिया घूमकर आए किंतु भारत के तपोस्थलों, तीर्थस्थलों, वीरभूमियों तक भी हमारा प्रवास हो। हमारे परिजन जानें की राणा प्रताप कौन हैं और चित्तौड़गढ़ कहाँ है। शिवाजी कौन थे और रायगढ़ का क्या है। जालियांवालाबाग कहाँ है। इसी तरह हमारे घर भारतीयता का प्रतिनिधित्व करते हुए दिखने चाहिए। वहां एक भारतीय परिवार रहता है ,यह प्रकट होना चाहिए। महापुरुषों की तस्वीरें। अपनी भाषा में नाम पढ़ और स्वागतम् जैसे उच्चार लिखे हों। परिवारों में हमारी संस्कृति की छाप साफ दिखनी चाहिए। तुलसी का पौधा और पूजाघर के साथ, किताबों का एक कोना भी हो जिसमें हमारे धार्मिक ग्रंथ गीता, रामायण, महाभारत आदि अवश्य हों। उनका समय-समय पर पाठ भी परिवार के साथ हो। हमारी जीवनशैली आधुनिक हो किंतु पश्चिमी शैली का अंधानुकरण न हो। परिवार में काम करने वाले सेवकों के प्रति सम्मान की दृष्टि भी जरूरी है। ऐसे अनेक विषय हैं जिन पर विचार होना चाहिए।

पर्यावरण संरक्षण से होगी जीवन रक्षा

प्रकृति के साथ संवाद और सहजीवन भारत का मूल विचार है। अपनी नदियों, पहाड़ों और पेड़-पौधों में ईश्वर का वास देखने की हमारी संस्कृति और परंपरा रही है। प्रकृति के बिना मानव जीवन की कल्पना असंभव है। प्रदूषण आज बहुत बड़ी चिंता बन गया है। कुछ भी स्वच्छ नहीं रहा। हवा भी जहरीली है। इसलिए हमें अपने भारतीय विचारों पर वापसी करनी ही होगी। प्रकृति और पर्यावरण के साथ सार्थक संवाद ही हमें बचा पाएगा। ग्लोबल वार्मिंग जैसी चिंताएं हमारे सामने चुनौती की तरह हैं। पानी, बिजली की बचाना, प्लास्टिक मुक्त समाज बनाने के साथ वाहनों का संयमित उपयोग जरूरी है। एयरकंडीशनर का न्यूनतम उपयोग, वनों और जंगलों की रक्षा जैसे अनेक प्रयासों से हम सुंदर दुनिया बना सकते हैं। घरों में पेड़-पौधे लगाएं और हरित घर का संकल्प लें। सच तो यह है कि अगर हम पर्यावरण की रक्षा करेंगे तो वह हमारी रक्षा करेगा।

सामाजिक समरसता से बनेगी सुंदर दुनिया

सामाजिक समरसता के बिना कोई भी राष्ट्र अग्रणी नहीं बन सकता। गुरु घासीदास कहते हैं- मनखे-मनखे एक हैं। किंतु जातिवाद ने इस भेद को गहरा किया है। तमाम प्रयासों के बाद भी आज भी हम इस रोग से मुक्त नहीं हो सके हैं। भेदभाव ने हमारे समाज को विभाजित कर रखा है, जिसके चलते दुनिया में हमारी छवि ऐसी बनाई जाती है कि हम अपने ही लोगों से मानवीय व्यवहार नहीं करते हैं। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी कहते थे- अस्पृश्यता ईश्वर और मानवता के प्रति अपराध है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक रहे पू. बालासाहब देवरस ने इस संकट को रेखांकित करते हुए बसंत व्याख्यानमाला में कहा था कि- अगर छूआछूत गलत नहीं है दुनिया में कुछ भी गलत नहीं है, इसे मूल से नष्ट कर देना चाहिए। ऐसे में हमें यह समझना होगा कि जो कुछ भी सैकड़ों सालों से परंपरा के नाम पर चल रहा है वह हमारा धर्म नहीं है। इतिहास में हुए इन पृष्ठों का कोई भी सभ्य समाज समर्थन नहीं कर सकता। जबकि हमारे धर्म ग्रंथ और शास्त्र इससे अलग हैं। हमारे ऋषि और ग्रंथों के रचयिता सभी वर्गों से हैं। भगवान बाल्मीकि और वेद व्यास इसी परंपरा से आते हैं। यानि यह भेद शास्त्र आधारित नहीं है। यह विकृति है। इससे मुक्ति जरूरी है।हमें इसके सचेतन प्रयास करते हुए अपने आचरण, व्यवहार और वाणी से समरसता का अग्रदूत बनना होगा। सभी समाजों और वर्गों से संवाद और सहकार बनाकर हम एक आदर्श समाज की रचना में सहयोगी हो सकते हैं।

युवा भारत की कलम से लिखा निवेश का नया भूगोल

संजीव कुमार मिश्र

भारत की आर्थिक चेतना का जो नया अध्याय इस समय लिखा जा रहा है, उसकी सबसे सशक्त पंक्ति युवा भारत की कलम से निकल रही है। बीते वर्षों में आर्थिक और सामाजिक क्षेत्रों में जो परिवर्तन देखने को मिले हैं, वे महज सरकारी योजनाओं या वैश्विक वित्तीय संस्थानों की रिपोर्टों के निष्कर्ष नहीं हैं, बल्कि भारत के गांवों, कस्बों और छोटे शहरों से निकलते उस नए युवा भारत के प्रमाण हैं जो अब सिर्फ नौकरी ढूँढ़ने वाला नहीं, बल्कि निवेश और उत्पादन का भागीदार बन चुका है। यह बदलाव जितना अदृश्य था, उतना ही व्यापक हो चुका है।

एक समय था जब भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर विकास दर 3.5 से 4 प्रतिशत के बीच झूलती थी और इस स्थिरता को ही स्थायित्व मान लिया जाता था। 1950 से 1980 के दौर के लिए अर्थशास्त्री राजकृष्ण ने ‘हिंदू रेट ऑफ ग्रोथ’ शब्द प्रयोग किया। बाद के वर्षों में आशीष बोस ने ‘बीमारू’ शब्द गढ़ा, जिससे बिहार, मध्यप्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों की विकासहीनता को रेखांकित किया गया। लेकिन 2025 के इस कालखंड में यदि हम पीछे मुड़कर देखें तो पाएंगे कि जिन राज्यों को कल तक बीमारू कहा गया, आज वही आर्थिक परिवर्तन की नई इबारत लिख रहे हैं।

वर्ष 1991 में जब भारत ने उदारीकरण की दिशा में कदम बढ़ाया था, तभी से यह परिवर्तन धीरे-धीरे आकार लेने लगा था। किन्तु यह भी उतना ही सत्य है कि उस परिवर्तन का पूरा फल भारतीय जनमानस तक पहुंचने में समय लगा। किंतु अब स्थिति बदल चुकी है। भारत के शेयर बाजार को लेकर जितना उत्साह आज छोटे शहरों और

ग्रामीण अंचलों में देखने को मिल रहा है, वह इस बात का प्रमाण है कि देश की आर्थिक यात्रा अब कुछ महानगरों तक सीमित नहीं है। और इस समावेशी आर्थिक चेतना का नेतृत्व कर रहे हैं देश के युवा। मॉर्गन स्टैनली जैसी वैश्विक वित्तीय संस्था का यह आकलन कि यदि स्थितियां अनुकूल रहें, तो भारत का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स अगले 12 महीनों में एक लाख के आंकड़े को पार कर सकता है, केवल बाजार का भविष्यवाणीय अनुमान नहीं है, बल्कि यह भारत के सामाजिक-आर्थिक ढांचे में आ रहे गहरे और बुनियादी बदलावों का संकेत भी है। इस आकलन के पीछे जिस प्रवृत्ति ने सबसे अधिक प्रभाव डाला है, वह है—निवेश के प्रति युवाओं की रुचि, जागरूकता और भागीदारी।

यदि हालिया वर्षों में निवेशक संख्या का तुलनात्मक अध्ययन किया जाए, तो यह स्पष्ट हो जाता है कि यह बदलाव केवल महाराष्ट्र, गुजरात या कर्नाटक जैसे पारंपरिक औद्योगिक राज्यों तक सीमित नहीं है। बल्कि अब उत्तर प्रदेश, राजस्थान और बिहार जैसे राज्य इस दौड़ में शामिल हो चुके हैं, बल्कि कई मायनों में अग्रणी भी हो चले हैं।

वित्तीय वर्ष 2025 के उपलब्ध आंकड़े बताते हैं कि भारत में सबसे अधिक डीमैट खाताधारक महाराष्ट्र में हैं, जिसकी संख्या लगभग 186 लाख है। किंतु इसके बाद दूसरे स्थान पर है उत्तर प्रदेश, जहां यह संख्या 130 लाख के आसपास पहुंच गई है। विशेष बात यह है कि जबकि महाराष्ट्र ने पांच वर्षों में लगभग 21 गुना वृद्धि दर्ज की, उत्तर प्रदेश ने 47 गुना की दर से यह वृद्धि हासिल की है। इससे यह निष्कर्ष निकालना कठिन नहीं कि महाराष्ट्र जैसे राज्य जहां निवेश स्थिरता की ओर बढ़ रहे हैं, वहीं उत्तर प्रदेश जैसे राज्य अब निवेशक वर्ग के लिए नए अवसरों का द्वार खोल रहे हैं।



उत्तर प्रदेश में जिस प्रकार योगी आदित्यनाथ सरकार ने कानून व्यवस्था, आधारभूत ढांचा और निवेश समर्थक नीतियों पर बल दिया है, उसका सीधा असर राज्य की आर्थिक चेतना पर पड़ा है। एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य अब सिर्फ भाषणों तक सीमित नहीं रह गया, बल्कि राज्य के युवाओं की आकांक्षा का हिस्सा बन चुका है। आज का पूर्वांचल, बुंदेलखंड और तराई क्षेत्र भी बाजार की भाषा समझने लगा है।

इसी क्रम में राजस्थान की स्थिति भी उल्लेखनीय है, जहां पांच वर्षों में 46 गुना तक निवेशकों की संख्या में वृद्धि हुई है। पर्यटन और खनिज संपदा

पर आधारित अर्थव्यवस्था वाले इस राज्य में अब युवाओं ने बाजार को भी संभावनाओं का क्षेत्र मानना शुरू कर दिया है। किंतु जो राज्य सबसे अधिक चौंकाता है, वह है—बिहार।

एक समय लालटेन की राजनीति से पहचान रखने वाला बिहार अब %लेपटॉप और लिंकिडिटी% की अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। पांच वर्षों पहले जहां बिहार में केवल सात लाख लोग शेयर बाजार से जुड़े थे, वहीं अब यह संख्या 52 लाख को पार कर चुकी है। यह 68 गुना वृद्धि न केवल देश की सबसे तेज़ आर्थिक भागीदारी की दर्शाती है, बल्कि उस मानसिक और सामाजिक

बदलाव का भी प्रतीक है जो इस राज्य की जनता में आया है।

बिहार में हाल के वर्षों में आयोजित औद्योगिक संवाद और निवेशक समागमों में देश की 55 से अधिक आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों ने भाग लिया है। ये कंपनियाँ ड्रोन, डेटा सेंटर, सोलर उपकरण और सॉफ्टवेयर सेवाओं में रुचि दिखा रही हैं। राज्य सरकार द्वारा निवेशकों के लिए 70 प्रतिशत तक प्रोत्साहन राशि, सिंगल विंडो क्लियरेंस की व्यवस्था और उद्योगिक संवाद में तत्परता इस बदलाव को और मजबूती दे रहे हैं। यह बदलाव केवल योजनाओं या घोषणाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि जमीन पर दिखने लगा है।

आज बिहार का युवा केवल प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी में ही नहीं लगा, बल्कि वह स्ट्यूडेंट म्यूचुअल फंड और स्टॉक मार्केट के उतार-चढ़ाव को भी समझ रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों तक जैसे प्लेटफॉर्मस की पहुंच, और साथ में स्मार्टफोन व इंटरनेट की उपलब्धता ने वित्तीय जागरूकता की सीमा को तोड़ दिया है। अब समस्तीपुर का एक छात्र स्ट्यूडेंट की शुरुआत करता है, दरभंगा की गृहिणी म्यूचुअल फंड में निवेश करती है, और पूर्णिया का एक किसान अपने बेटे के लिए टैक्स प्लानिंग सीख रहा है।

यह परिवर्तन अचानक नहीं हुआ। इसके पीछे शिक्षा तक पहुंच, इंटरनेट और मोबाइल क्रांति, सोशल मीडिया के माध्यम से जानकारी का लोकतंत्रीकरण, और आर्थिक आत्मनिर्भरता की बढ़ती चाहत का योगदान है। अब सरकारी नौकरी को ही जीवन की उपलब्धि मानने वाली सोच में परिवर्तन आया है। युवाओं में अब जोखिम उठाने की प्रवृत्ति बढ़ी है, और निवेश को सिर्फ अमीरों का खेल मानने का भ्रम टूट चुका है।

दम्पत्ति ने लिया देहदान का
संकल्प, किया जायेगा सम्मानित

में सतना (रघुराजनगर) तहसील में
141.4 मि.मी., सोहावल
(रघुराजनगर) में 139 मि.मी., बरौंथा
(मझगावा) में 114.3 मि.मी.,
बिरसिंहपुर में 136.9 मि.मी., रामपुर
बाघेलान में 89.2 मि.मी. नागौद में
115.3 मि.मी., जसो (नागौद) में
60.2 मि.मी. एवं उचेहरा में 50
मि.मी. औसत दैनिक वर्षा दर्ज की गई
है।

मीडिया ऑडीटर, सतना (निर्ग)। मुख्यमंत्री डा० मोहन यादव की घोषणा अनुसार देवदान करने वाले व्यक्तियों के परिजनों को 15 एवं 26 जनवरी को सम्मानित किया जायेगा। इसी की दृष्टि में शुक्रवार को ग्राम गंगवारिया तहसील नागौद निवासी मुकुन्दलाल वर्मा एवं उनकी धर्मपत्नी सुमिबाई ने जिला अस्पताल पहुँचकर रेडक्रास के माध्यम से देहदान का संकल्प लिया। जिला अस्पताल में देहदान के लिए दम्पति के फार्म भरने की प्रक्रिया पूर्ण की गई। इस मौके पर सचिव सचिन डा० राम मोहन शुक्ला रेडक्रास सचिव डा० शरद दुबे, डा० विजयेंद्र राजपूत, डा० सदीप द्विवेदी जेपी० शुक्ला, संजय शहा एवं परामेडीकल स्टाफ उपस्थित रहा।

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। उप संचालक मजान करणप तथा कृषि विकास कोसज कल्याण न सतना जिले के सभी वर्ग के किसान भाइयों कों सूचित किये है कि ई-कृषि यंत्र अनुदान पोर्टल (राष्ट्रीय कृषि विकास योजना चर्मेनप्राक पतवर्हजपवद) योजना अंगति सिंचाई उपकरण सिंप्रकलर सेट, ड्रिप सिस्टम एवं मिनी सिंप्रकलर के आवेदन 14 जुलाई से 20 जुलाई 2025 तक आमंत्रित किये जा रहे हैं। प्राप्त आवेदनों के आधार पर 21 जुलाई को लॉटरिये कि प्रक्रिया की जायेगी। इच्छुक कृषक इस योजना का लाभ प्राप्त करने हेतु ई-कृषि यंत्र अनुदान पोर्टल पर मे किसी भी अनलाइन केंद्र पर आवेदन कर सकते हैं आवेदन के लिए दस्तावेज खसस एवं खतौनी की प्रति मोबाईल नंबर एवं आधार कार्ड अनिबाध किया गया है।

मॉडिया आँडोर, सतना (निष्प्र) | जिला शिक्षा अधिका (विद्यु) विपटी न सपी हास्कुल, हायर सेकेंडरी स्कूल के प्रानाँ के निर्देशित किया है कि राज्य शासन के निर्देशानुसार शैक्षणिक सत्र 2025-26 में स्कूलों के लैब में तत्काल प्रायोगिक कार्य प्रारंभ कराए जाए। उन्होंने अपने पत्र में कहा है कि राज्य शासन के निर्देश है कि शैक्षणिक सत्र 2025-26 में 16 जून से स्कूल खुलने के साथ ही लैब में प्रायोगिक कार्य किए जाए। लेकिन एक माह की समयवधि बीतने पर भी अधिकांश विद्यालयों में लैब के ताले नहीं खोले गए हैं। यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक और संस्था प्रमुख की उदासीनता का परिचायक है।

जिला शिक्षा अधिकारी ने कहा कि आगामी दिनों में जिले और विकास संखंड स्तर की निरीक्षा टीमों के निरीक्षण में कहीं लैब संचालित नहीं पाई गई तो संबंधित संस्थान प्रमुखों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जिला शिक्षा अधिकारी ने सभी विकासखंड अधिकारियों को निर्देशित किया है कि अपने क्षेत्रांतर्गत आने वाली शालाओं में लैब संचालित कारये और प्रत्येक विद्यालय में लैब संचालन के फोटोग्राफ्स प्राप्त कर अभिलेख संधारण करे। आगामी 24 जुलाई को सतना जिले की शिक्षा विभाग से संबंधित समीक्षा बैठक में लैब संचालन के फोटोग्राफ्स एवं विभागीय जानकारी के साथ उपस्थित रहेगे।

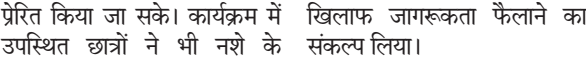
मीडिया ऑडिटर, सतना (निप्र)। रोगी कल्याण समिति जिसका चिकित्सालय सतना के कार्याचारणी समिति की बैठक 19 जुलाई को दोपहर 12 जिला चिकित्सालय सतना के सभागार में

मीडिया आडोटर, रीवा (निपुण) उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शर्मा ने सुबह विध्याविद्यालय के समीप भ्रमण के दौरान निष्पत्तीधानी श्रवणदेवी तालाब के सौंदर्यीकरण कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए उपस्थित अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधियों को कार्य के गुणवत्ता सुनिश्चित करने, तब समय सीमा में कार्य पूरा करने तथा तालाब क्षेत्र को स्वच्छ आकर्षक एवं स्व सुविधाओं से युक्त विजित करने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए।

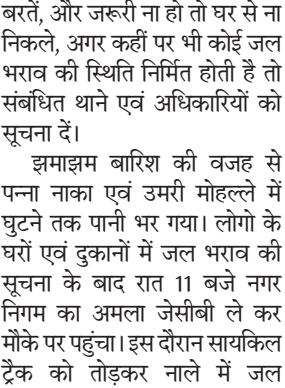
मंडिया आंडोटर, रीवा (निप्रा)। खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत चन्द्रलोहो हॉल रीवा में एक लाख रुपए की जुर्माना राशि अधोप्राप्त की गई थी। कलेक्टर प्रहलाद पाण्डे के निर्देश पर चन्द्रलोहो हॉल से 50 हजार रुपए की जुर्माना राशि की वसूली की गई।

कालिज में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी: इसी दिन, कालिज परिसर में भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा 'भारत संस्कृति यात्रा' कार्यक्रम का भी आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम दोपहर 4 बजे से शुरू होगा, जिसमें देश के विभिन्न हिस्सों से आए कलाकार अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। इसमें राजस्थान का प्रसिद्ध कालबेलिया एवं घूमर नृत्य, कथक नृत्य, बड़ाझिरी नृत्य, मयूर नृत्य के साथ ही बघेली और बुंदेलखंडी लोक गायकों की भी प्रस्तुति शामिल होगी।

कार्यक्रम का मुख्य लक्ष्य छात्रों के मादक पदार्थों के बढ़ते सेवन के प्रति सचेत करना था। विशेषणों ने बताया कि नशा न केवल शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि यह व्यक्ति के सामाजिक और पारिवारिक जीवन में भी बुरी तरह प्रभावित करता है। आयोजकों ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम बेहद जरूरी हैं ताकि युवा पीढ़ी को सही दिशा दिखाई जा सके और उन्हें एक स्वस्थ तथा नशा-मुक्त जीवन जीने के लिए



कलेक्टर ने जिले वासियों से अपील की है कि लगातार बारिश हो रही है ऐसे में लोग सावधानी जरूर



सुबह से देर रात तक हुई बारिश से लगभग आधा शहर पानी पानी हो गया। भरहुत नगर, बैंक कालोनी, पुष्पराज कालोनी, टिकुरिया टोला, बस स्टैंड, कृष्ण नगर, डालीबाबा, कोलगवां समेत शहर के कई इलाकों में लोगों के घरों गलियों में जल भराव हो गया।

मॉडिया आंडर, रीवा (निपूर)। रीवा जिले की मनगवा विधानसभा के अंतर्गत आने वाले मौहिरिया गांव में सड़क की बहाली को एक बार फिर ग्रामीणी का दर्द उजागर कर दिया है। यहां सड़क न होने के कारण एक बीमार महिला को इलाज के लिए चारपाई पर लादकर अस्पताल ले जाना पड़ा। ग्रामीणी का आरोप है कि साल 2015 में सड़क का भूमिपूजन होने के बावजूद ये निर्माण और नतीजे की मिलीभगत से सड़क कार्य नहीं हुआ और टेंडर का पैसा खा लिया गया।

यह घटना इंद्राज यादव के परिवार के साथ थी। उनकी मां का हाल ही में एक दुर्घटना के बाद अस्पताल में इलाज कर रहा था। अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद उन्हें घर लाया गया, लेकिन अचानक उनकी तबियत फिर बिगड़ गई। सड़क न होने के कारण गांव तक एंबुलेंस या कोई वाहन नहीं पहुँच



ग्रामीणों में इस बात को लेकर भारी आक्रोश है कि सालों पहले सड़क का भूमिपूजन होने के बाद भी उसका निर्माण नहीं हुआ। यह घटना एक बार फिर प्रशासन की उदासीनता और विकास कार्यों में हो रहे भ्रष्टाचार को दर्शाती है, जिसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है।

अधिकारियों, जिसमें तहसीलदार और नायब तहसीलदार शामिल हैं, के कार्यों को 'न्यायिक' और 'गैर-

न्यायिक' श्रेणियों में विभाजित करने का निर्देश दिया है। राजस्व अधिकारियों का कहना है कि यह

विभाजन करने से पहले संसाधनों की कमी पर ध्यान नहीं दिया गया है। उनके मुताबिक, राजस्व न्यायालयों

में पहले से ही ऑपरेटर और प्रवाचकों की भारी कमी है। नई नीति के तहत जो अधिकारी गैर-न्यायिक कार्य करेंगे, उनके लिए कंप्यूटर सिस्टम, बैठने की व्यवस्था और सहायक स्टाफ की कोई सुनिश्चितता नहीं की गई है।

"संसाधनों की कमी से जूझ रहा संवर्ग" : राजस्व अधिकारियों ने कहा कि संसाधनों की कमी के अभाव में वे अपनी क्षमता के अनुरूप काम नहीं कर पाएंगे, जिससे आम जनता को भी परेशानी होगी। उन्होंने यह भी बताया कि हाल ही में सरकार की विभिन्न योजनाओं जैसे स्वामित्व योजना और फार्म रजिस्ट्री में उनके संवर्ग ने उत्कृष्ट

कार्य किया है। उन्होंने दावा किया कि फार्मर रजिस्ट्री के मामले में मध्यप्रदेश पूरे देश में पहले स्थान पर है, जो राजस्व अधिकारियों और पटवारियों की कड़ी मेहनत का परिणाम है।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि वे सरकार के हर कार्य के लिए तैयार हैं, लेकिन पहले उन्हें जरूरी सांसाधन उपलब्ध कराए जाएँ। इस जापान के बाद, राजस्व संघ अपनी भविष्य की रणनीति तय करने के लिए बैठक कर रहा है। जापान सौंपे जाने के बाद, कलेक्टर प्रतिभा पाल ने कहा कि यह एक नीतिगत विषय है और इस पर शासन के निर्देशों के अनुसार ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आबकारी अफसर ने शराब दुकान कर्मचारियों को मारे लात-घूंसे

ठेकेदार बोले- अवैध वसूली करने आए; धमकी दी- दुकान सरेंडर करें वरना बर्बाद कर दूंगा

जबलपुर (एजेंसी)। सहायक आबकारी आयुक्त संजीव दुबे ने 4 शराब दुकानों में घुसकर कर्मचारियों से मारपीट की। आरोप है कि संजीव दुबे अवैध वसूली के लिए दबाव बना रहे थे। मांग पूरी न होने पर उन्होंने लात-घूंसे मारे। कहा- मालिक से कहना दुकान सरेंडर कर दे, वरना बर्बाद कर दूंगा। पिटाई के सीसीटीवी फुटेज भी सामने आए हैं। जहां संजीव दुबे ने मारपीट की, वो चारों शराब दुकान ठेकेदार अजय सिंह बघेल की हैं। गुरुवार शाम को ठेकेदार नरसिंहपुर में थे। जानकारी के अनुसार, शाम को संजीव दुबे कुछ कर्मचारियों के साथ ठेकेदार की दुकानों पर गए। यहां करीब तीन घंटे तक हंगामा किया। एक दुकान में लगे सीसीटीवी की डीवीआर भी निकालकर ले गए।

ठेकेदार अजय सिंह बघेल ने बताया कि मामले की शिकायत सीएम डॉ. मोहन यादव, आबकारी मंत्री जगदीश देवड़ा और वाणिज्यकर विभाग प्रमुख सचिव तक पहुंचाई गई है। सहायक आबकारी आयुक्त संजीव दुबे लंबे समय से छोटे ठेकेदारों को परेशान कर रहे हैं। पिटाई से घबराकर चारों दुकानों के सेल्समैन काम छोड़कर चले गए,



जिससे बिक्री भी प्रभावित हो रही है। दुकानें सरेंडर करने की नौबत आ गई है।

दुकान के बाहर भी की मारपीट: जागृति इंटरप्राइजेज के पार्टनर अजय सिंह बघेल ने प्रमुख सचिव को पत्र में बताया कि वह साल 2025-26 के लिए बरेला मदिरा समूह के लाइसेंस हैं। 17 जुलाई को सहायक आबकारी आयुक्त बरेला शराब दुकान पहुंचे और गद्दीदार उपेंद्र मिश्रा से मालिक के बारे में पूछा। जब वह चुप रहा

तो संजीव दुबे को यह बात नागवार गुजरी। उन्होंने गद्दीदार को लात-घूंसे मारे। दुकान के बाहर भी कर्मचारियों से पिटवाया। देर रात बरेला थाने में संजीव दुबे और उनके साथ आए अन्य कर्मचारियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई।

'दुकान सरेंडर करो, वरना तबाह कर देंगे': प्रमुख सचिव को लिखे पत्र में यह भी कहा गया कि संजीव दुबे ने धमकी दी कि जिले में अब शराब दुकान नहीं

चलाने देंगे। सभी लोगों पर 34(2) का प्रकरण (अवैध शराब के कब्जे और वितरण) बनाकर जेल भिजवा दूंगा। इसके बाद वह धनपुरी दुकान पहुंचे, वहां भी सेल्समैन अमर गुप्ता के साथ मारपीट की और सीसीटीवी डीवीआर अपने साथ ले गए। वहां भी यही धमकी दी गई कि दुकान सरेंडर कर दो, वरना तबाह कर देंगे। बरेला नंबर 2 और पड़वार दुकान में भी कर्मचारियों के साथ गाली-गलौज की गई।

कर्मचारी चले गए, दुकान चलाना मुश्किल: ठेकेदार अजय सिंह बघेल ने पत्र में बताया कि उनके समूह की दुकानों की लाइसेंस फीस समय पर भरी जा रही है, लेकिन सहायक आबकारी आयुक्त लगातार परेशान कर रहे हैं। कर्मचारी काम छोड़कर चले गए हैं। दुकान चलाना मुश्किल हो गया है। अगर कर्मचारी नहीं लौटें, तो लाइसेंस फीस समय पर नहीं भर पाएंगे और लाइसेंस निरस्त हो सकता है। ऐसी स्थिति में इसकी पूरी जिम्मेदारी संजीव दुबे की होगी। न्यायालय की शरण लेनी पड़ सकती है।

आबकारी आयुक्त बोले- विभाग का लेना-देना नहीं: मामले पर आबकारी

आयुक्त अभिजीत अग्रवाल ने कहा, मेरी जानकारी में यह नहीं है कि संजीव दुबे ने मारपीट की है। अगर ऐसा हुआ है तो पुलिस अपनी जांच करेगी। ठेकेदार स्वतंत्र हैं कि थाने में शिकायत दर्ज कराएं। उसके बाद कार्रवाई संबंधित थाना पुलिस करेगी। विभाग का ऐसे विवादों से कोई लेना-देना नहीं है।

ऑफिस के बाहर लगाया पोस्टर: सहायक आबकारी आयुक्त संजीव दुबे ने अपने कार्यालय के बाहर एक पोस्टर लगाया है, जिसमें लिखा है, समस्त मीडिया से अनुरोध है कि आबकारी विभाग से संबंधित सभी जानकारी और खबरों के लिए सहायक जिला आबकारी अधिकारी द्वांचंद चतुर्वेदी से संपर्क किया जाए।

पहले भी विवादों में रहे संजीव दुबे इंंदौर में टेजरी चालानों में हेराफेरी कर आबकारी राजस्व में 40 करोड़ से ज्यादा का घोटाला और भोपाल में शराब के अवैध परिवहन की शिकायतों के चलते संजीव दुबे पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी बीच, करीब एक साल पहले उनकी पोस्टिंग जबलपुर में हुई, लेकिन यहां भी वे विवादों में धिर गए हैं।

लहराते हुए ट्रक ने टैक्सी को मारी टक्कर, दो मृत; 8 लोग घायल



सिवनी (एजेंसी)। रूइड़ के पास एक तेज रफ्तार ट्रक ने यात्रियों से भरी टैक्सी को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में 2 लोगों की मौत हो गई, जबकि 8 लोग घायल हैं। हादसा शुक्रवार दोपहर करीब 3 बजे कुई थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग 44 पर हुआ। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि टैक्सी फोरलेन की साउंडप्रूफ दीवार से जा टकराई। मृतकों की पहचान 55 वर्षीय संतकुमार हरदिया और 50 वर्षीय रामकिशोर बरमैया के रूप में हुई।

हादसे में टैक्सी में सवार 8 लोग घायल हुए हैं। इन्हें द्वाइवर प्रदीप राय (31), मीनाक्षी उडके (20), नीलेश्वर उडके (18), अंजनी सिरसाम (26), शकीला बी (45), सुरैया खान (27), सकुन बाई (45) और सत्यभाम (21) शामिल हैं। इनमें से एक महिला की हालत गंभीर होने के कारण उसे नागपुर रेफर किया गया है। बाकी घायलों का इलाज कुई अस्पताल में चल रहा है। कुई थाना प्रभारी कृपाल सिंह तेलाम के अनुसार, दुर्घटना में शामिल ट्रक (नंबर एचआर 38 एएस 6721) की जब्त कर लिया गया है। मामले में प्रार्थमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। सभी यात्री सिवनी के छिंदवाड़ा चोक से खवासा की ओर जा रहे थे। यही कारण था कि मृतकों की पहचान में काफी समय लगा।

रिश्वत मांगने वाले पटवारी पर कार्रवाई, नामांतरण के लिए मांगे थे पैसे

दतिया (एजेंसी)। जिले के जुझारपुर हल्का नंबर 40 के पटवारी प्रमोद सिहारे को कलेक्टर स्खील वानखड़े ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। उन पर नामांतरण और सीमांकन जैसे कामों के एवज में पैसे मांगने का आरोप है। यही नहीं, एक ऑडियो भी वायरल हुआ है, जिसमें कथित तौर पर प्रमोद सिहारे को पैसे की मांग करते सुना जा सकता है।

शिकायत मिलने के बाद कलेक्टर ने पूरे मामले की जांच कराई, जिसमें कई गंभीर गड़बड़ियां सामने आईं। सिहारे ना तो पटवारी मुख्यालय में निवास कर रहे थे, ना ही समय पर राजस्व वसूली का काम कर रहे थे। इतना ही नहीं, 'साइबर 2.0' पोर्टल पर लंबित प्रकरणों में समय पर जवाब भी नहीं दिया गया। यह वरिष्ठ अधिकारियों के आदेशों की सीधी अनदेखी मानी गई। कलेक्टर वानखड़े ने इसे शासकीय कार्यों में लापरवाही और पद का दुरुपयोग मानते हुए, मध्य प्रदेश सिविल सेवा नियमों के तहत कार्रवाई की। निलंबन की अवधि में प्रमोद सिहारे का मुख्यालय सेवदा तहसील रहेगा और उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता मिलेगा।

आज स्कूली छात्रों को छुट्टी, शिक्षक और कर्मचारियों को आना होगा, पूर्व निर्धारित परीक्षाएं होंगी

अशोकनगर (एजेंसी)। लगातार हो रही बारिश के कारण जिला कलेक्टर आदित्य सिंह ने 19 जुलाई को स्कूली छात्रों के लिए छुट्टी की घोषणा की है। यह छुट्टी नर्सरी से लेकर 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए रहेगी। छुट्टी का आदेश सभी शासकीय, अशासकीय, नवोदय, केन्द्रीय, सीबीएसई और आईसीएससी बोर्ड के स्कूलों के साथ मदरसों में भी लागू होगा। स्कूल के प्रिंसिपल, शिक्षक और अन्य कर्मचारियों को कार्यालय आना होगा। वे अपने नियमित शैक्षणिक और प्रशासनिक कार्य करेंगे। पूर्व निर्धारित परीक्षाएं अपने तय समय पर आयोजित की जाएंगी। जिला प्रशासन ने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों को स्कूल न भेजें। साथ ही मौसम की स्थिति पर नजर रखें।

दो स्थानों पर मारपीट और चाकूबाजी तीन लड़कों ने ऑटो चालक को बेरहमी से पीटा; युवक पर चाकू से हमला



जबलपुर (एजेंसी)। गोरा बाजार और माढ़ोताल में दो लोगों से सरेआम मारपीट का वीडियो सामने आए हैं। एक वीडियो गोरा बाजार थाना क्षेत्र का है। जहां तीन लड़के मिलकर एक ऑटो चालक को बेरहमी से पीट रहे हैं। वहीं कुछ लोग वहां खड़े नमाशा देख रहे हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि विवाद की वजह क्या थी, इसकी जानकारी नहीं है। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। ऑटो चालक के साथ मारपीट करने वाले कौन हैं और आखिर क्यों उसे पीटा गया, यह अभी पता नहीं चल सका है।

माढ़ोताल थाना क्षेत्र में युवक पर चाकू से हमला: वहीं, दूसरा वीडियो गुरुवार को जबलपुर के माढ़ोताल थाना क्षेत्र स्थित दीनदयाल चौक के पास का है, जहां एक व्यक्ति फोन पर बात करते हुए सड़क पार कर रहा था। सामने कुछ लड़के खड़े थे, तभी विवाद शुरू हो

गया। इस बीच तीन लड़के आए और एक ने चाकू से हमला कर दिया। एक लड़का लगातार चाकू से वार कर रहा था, जबकि उसके साथ आए दो लड़के थपड़ मार रहे थे। बीच सड़क पर मारपीट होते देख लोगों की भीड़ लग गई, जिसके बाद बदमाश मौके से फरार हो गए।

अंशुल खरे समेत चार आरोपियों पर केस दर्ज: एएसपी सूर्यकांत शर्मा ने बताया कि गोरा बाजार में जिस ऑटो चालक के साथ मारपीट हुई है। उसकी जानकारी जुटाई जा रही है। हमला करने वाले कौन हैं?, यह अभी पता नहीं है। एएसपी का कहना है कि दूसरा वीडियो दीनदयाल चौक का है, उसमें घायल गौरव बाजपेयी की शिकायत पर पुलिस ने अंशुल खरे और उसके तीन अन्य साथियों के खिलाफ मामला दर्ज कर तालाश शुरू कर दी है। विवाद की वजह पुरानी रंजिश बताई जा रही है।

फांसी से पहले ट्रैक पर जान देने गई थी युवती थाने में समझौते के बाद भी परेशान कर रहा था आरोपी, सुसाइड किया

ग्वालियर (एजेंसी)। पुरानी छावनी के गंगा मालनपुर में रहने वाली एक युवती पड़ोस में रहने वाले युवक से इतनी परेशान हो गई कि उसने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। युवती ने 2 जुलाई को पुरानी छावनी थाने में आरोपी युवक के खिलाफ शिकायत की थी, लेकिन पुलिस ने एफआईआर दर्ज करने की बजाय आरोपी और उसके परिजनों को थाने बुलाकर दबाव डालकर समझौता करा दिया।

यह समझौता पत्र अब सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है। अब खुलासा हुआ है कि समझौते से दुखी युवती उसी दिन मानसिक प्रताड़ना के चलते रेलवे ट्रैक पर जाकर आत्महत्या के लिए लोटे गई थी, लेकिन उसकी मां समय पर पहुंच गई और उसे बचा लिया। तभी से युवती ने ठान लिया था कि मनीष कुशवाह की प्रताड़ना का अंत वह अपनी जान देकर करेगी। परिजन का आरोप है कि पुलिस ने भरोसा दिलाया था कि युवक उसे परेशान नहीं करेगा। यदि उसी दिन एफआईआर दर्ज हो जाती, तो आज उनकी बेटी जिंदा होती।

बातचीत बंद करने पर करने लगा पीछा और छेड़छाड़: पता चला है कि युवती की आरोपी मनीष कुशवाह से दो साल से जान-पहचान थी। मनीष उसे ब्लैकमेल कर गलत काम करने के लिए



दबाव डालता था, जिसके चलते युवती ने उससे बातचीत बंद कर दी थी। इसके बाद मनीष ने उसे परेशान करना शुरू कर दिया। वह आए दिन रास्ते में छेड़छाड़ करता, कभी हाथ पकड़ लेता, तो कभी जबरदस्ती अपने साथ चलने के लिए मजबूर करता। यही नहीं, उसने उनके साथ के फोटो एडिट कर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिए। जब ये फोटो युवती के भाई के पास पहुंचे, तो घर में विवाद शुरू हो गया।

दोस्तों को फोटो दिखाकर करता था बदनाम: गंगा मालनपुर में पिछले तीन महीने में मनीष कुशवाह ने युवती को बदनाम कर दिया था। वह उसके साथ के फोटो अपने दोस्तों को दिखाता था। इस पर दोस्त युवती के लिए गलत शब्दों का इस्तेमाल करते थे। पूरे गांव में उसे बदनाम कर दिया था। लगातार बदनामी से युवती पूरी तरह टूट चुकी थी।

शिवपुरी के पीएचई परिसर में कार के ऊपर गिरा पेड़ मालिक ने प्रशासन से की मुआवजे की मांग; मड़ीखेड़ा बांध के दो गेट खुले

शिवपुरी(एजेंसी)। शहर के फिजिकल क्षेत्र स्थित पीएचई विभाग की परिषद में अचानक एक पेड़ गिर गया। पेड़ गिरने से विभाग की बाउंड्रीवाल को नुकसान पहुंचा, साथ ही पास में खड़ी एक कार भी इसकी चपेट में आ गई। जानकारी के मुताबिक पेड़ भरत गोयल की कार पर जा गिरा, जिससे कार को काफी नुकसान पहुंचा है। गनीमत रही कि घटना के समय आसपास कोई राहगीर मौजूद नहीं था, वरना जनहानि हो सकती थी। यह मार्ग शहर के व्यस्ततम मार्गों में से एक माना जाता है।

कार मालिक ने प्रशासन से मुआवजे की मांग की: घटना के बाद सड़क पर लंबे समय तक ट्रैफिक जाम लगा रहा। कार मालिक भरत गोयल ने प्रशासन से मुआवजे की मांग की है। स्थानीय



लोगों का कहना है कि पुराने और भारी पेड़ों की समय रहते छंटाई न होने से इस तरह की घटनाएं सामने आ रही हैं।

मड़ीखेड़ा बांध के दो गेट

अनुसार, गेटों से लगभग 377 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है, जो बिजली उत्पादन के साथ जल स्तर नियंत्रण के लिए किया जा रहा है। बांध से पानी छोड़े जाने की सूचना के बाद सिंध नदी के किनारे बसे ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। विभाग लगातार जल स्तर पर निगरानी रखे हुए है।

सामान्य से ज्यादा बारिश होने की संभावना: जिले में 1 जून से अब तक 26.4 इंच बारिश हुई है, जो पिछले साल की इसी अवधि (12.3 इंच) से दोगुनी से भी ज्यादा है। जिले की औसत वार्षिक वर्षा 32.1 इंच है, जिसका 82% अभी से पूरा हो चुका है। पिछले साल पूरे जिले में कुल 50.8 इंच वर्षा हुई थी। इस साल की रफ्तार देखते हुए सामान्य से अधिक बारिश होने की संभावना है।

एमपी का घूसखोर नारकोटिक्स इंस्पेक्टर और दलाल गिरफ्तार एक करोड़ की रिश्वत मांगी, 53 लाख में सौदा हुआ, 44 लाख ले चुके थे

उज्जैन (एजेंसी)। केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो की जयपुर टीम ने मध्यप्रदेश के केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो के घूसखोर इंस्पेक्टर और दलाल को पकड़ा। इंस्पेक्टर ने नारकोटिक्स के केस में परिवार को नहीं फंसाने की एवज में 1 करोड़ रुपए की रिश्वत की मांगी थी। सौदा 53 लाख रुपए में तय हुआ था। 3 किशत में दलाल के जरिए 44 लाख ले चुका था। केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो जयपुर में 15 जुलाई को परिवारी बड़ीसाददी निवासी मांगीलाल गुर्जर ने शिकायत दी थी। मांगीलाल ने बताया था कि उज्जैन में तैनात नारकोटिक्स इंस्पेक्टर महेंद्र सिंह ने बड़ीसाददी स्थित उसके घर पर 27 मार्च को छापा मारकर 400 किलो डोडाचूरा जब्त किया था।

छापे के बाद, महेंद्र सिंह ने मांगीलाल के परिवार से कहा था कि वे चित्तौड़गढ़ के ढुंगला में आला खेड़ी निवासी जगदीश मेनारिया से संपर्क कर लें। थोड़े दिन बाद



महेंद्र सिंह
नारकोटिक्स इंस्पेक्टर



जगदीश मेनारिया
दलाल

जगदीश ने खुद मांगीलाल से संपर्क किया। महेंद्र सिंह ने जगदीश के जरिए मांगीलाल को धमकी दी कि अगर वह 1 करोड़ रुपए की रिश्वत नहीं देगा, तो उसे और उसके पूरे परिवार को नारकोटिक्स के केस में फंसा

देगा। उसके बाद सौदा 53 लाख में तय हो गया। मांगीलाल तीन किशत में दलाल के जरिए 44 लाख रुपए आरोपी को दे चुका था, लेकिन रिश्वत का सिलसिला यहीं नहीं रुका। महेंद्र सिंह और जगदीश मेनारिया ने नौ

लाख रुपए की और मांग की। परेशान होकर मांगीलाल ने सीबीआई जयपुर की टीम को शिकायत की। सीबीआई टीम ने शिकायत का सत्यापन करवाया, तो सीबी निकली। इसके बाद सीबीआई की टीम की योजना के अनुसार पंडित ने तीन लाख रुपए देने के बहाने गुरुवार रात दलाल को सांबलिया जी के पास एक होटल में बुलवाया। जैसे ही दलाल पैसे लेने आया, सीबीआई की टीम ने उसे पकड़ लिया।

महेंद्र सिंह को उज्जैन से गिरफ्तार किया: दलाल की गिरफ्तारी के बाद पड़ताछ की गई, तो पूरे मामले में नारकोटिक्स इंस्पेक्टर महेंद्र सिंह का नाम आया। इसके बाद सीबीआई की टीम ने शुक्रवार को महेंद्र सिंह को उज्जैन से गिरफ्तार किया। जांच में यह भी पता चला कि आरोपी महेंद्र सिंह ने सीकर, जयपुर और नीमच में गलत तरीके से कमाए गए पैसे से कई संपत्तियां खरीदी हैं।

बीमा कंपनी को उपभोक्ता फोरम का झटका हेल्थ क्लेम खारिज करना पड़ा भारी; 2.85 लाख मुआवजा और केस खर्च चुकाने का आदेश

ग्वालियर (एजेंसी)। जिला उपभोक्ता फोरम ने स्टार हेल्थ एंड एलाइड इंश्योरेंस कंपनी के खिलाफ अरुण फैसला सुनाया है। फोरम ने बीमा कंपनी को उपभोक्ता को 2 लाख 83 हजार 306 रुपए मुआवजा देने के साथ 6% वार्षिक ब्याज, 1 हजार रुपए क्षतिपूर्ति और 1 हजार रुपए वाद व्यय चुकाने का आदेश दिया है। मामला ग्वालियर निवासी अशोक कुमार अग्रवाल से जुड़ा है, जिन्होंने अप्रैल 2022 में हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी ली थी। अप्रैल 2023 में वे अचानक घर में फिसलकर गिर पड़े, जिससे उनके कूल्हे में गंभीर चोट आई। इलाज के लिए एमआरआई और एक्सरे के बाद दिल्ली में ऑपरेशन करवाना पड़ा, जिसमें कुल 2.81 लाख रुपये का खर्च आया।

बीमा कंपनी ने क्लेम इस आधार पर खारिज कर दिया कि उपभोक्ता पहले से घुटनों की बीमारी से पीड़ित थे और उन्होंने यह जानकारी छुपाई। लेकिन उपभोक्ता फोरम ने बीमा कंपनी की यह दलील सिरे से खारिज



कर दी। फोरम ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि कंपनी उपभोक्ता की पूर्व बीमारी का कोई ठोस दस्तावेजी प्रमाण प्रस्तुत नहीं कर सकी। ऐसे में बीमा क्लेम को अस्वीकार किया जाना 'सेवा में कमी' की श्रेणी में आता है। फोरम ने बीमा कंपनी को निर्देश दिया है कि वह तय राशि 30 दिन के भीतर उपभोक्ता को अदा करें, अन्यथा अतिरिक्त ब्याज देना होगा।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिकी ओपन 2025 में कईदिग्गजखिलाड़ी उत्तरेंगेमैदानमें

न्यूयार्क (एजेंसी)। अमेरिकी ओपन 2025 के लिए तैयारियां पूरी हो चुकी हैं और इस प्रतिष्ठित ग्रैंडस्लेम टूर्नामेंट में कई नामी सितारे अपनी किस्मत आजमाने को तैयार हैं। गत चैंपियन यानिक सिनर और दुनिया की नंबर एक महिला खिलाड़ी एरीना सबालेका उन 10 पूर्व विजेताओं में शामिल हैं जो इस बार भी खिताब के लिए जोर लगाएंगे। अमेरिकी टेनिस एसोसिएशन ने 24 अगस्त से शुरू होने वाले टूर्नामेंट के लिए आधिकारिक प्रवेश सूची जारी की है जिसमें कुल 18 पूर्व ग्रैंडस्लेम एकल चैंपियन खिलाड़ियों के नाम शामिल हैं। इस सूची में खिलाड़ियों को सीधे प्रवेश 14 जुलाई तक की विश्व रैंकिंग के आधार पर दिया गया है। पुरुष खिलाड़ियों के लिए कटऑफ 101वीं रैंकिंग रही जबकि महिला वर्ग में यह सीमा 99वीं रैंकिंग पर थी। इसका मतलब है कि इस साल भी कोर्ट पर दुनिया के कई बड़े सितारे और अनुभवी नाम एक बार फिर अपनी दावेदारी पेश करेंगे और दर्शकों को कड़ी टक्कर वाले मुकाबले देखने को मिलेंगे। विश्व के नंबर वन पुरुष खिलाड़ी यानिक सिनर इस समय शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने हाल ही में विंबलडन फाइनल में दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज को हराकर अपना चौथा ग्रैंडस्लेम खिताब जीता और अब वह अमेरिकी ओपन में भी उसी लय को बरकरार रखना चाहेंगे। दूसरी ओर, महिला वर्ग की नंबर एक खिलाड़ी एरीना सबालेका विंबलडन में सेमीफाइनल तक पहुंची थीं, हालांकि वहां उन्हें अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा के हाथों हार का सामना करना पड़ा। अनिसिमोवा इस समय विश्व रैंकिंग में सातवें स्थान पर हैं और अमेरिकी ओपन में शीर्ष आठ खिलाड़ियों में शामिल चार अमेरिकी महिला खिलाड़ियों में से एक हैं, जो घरेलू दर्शकों के सामने खिताब जीतने को प्रबल दावेदार मानी जा रही हैं। अमेरिका की तरफ से इस बार सरसे ज्यादा 30 खिलाड़ियों को टूर्नामेंट में सीधा प्रवेश मिला है, जिनमें 16 महिला और 14 पुरुष खिलाड़ी शामिल हैं। इससे साफ है कि घरेलू दर्शकों को अपने पसंदीदा खिलाड़ियों का शानदार खेल देखने का भरपूर मौका मिलेगा और टूर्नामेंट में जबरदस्त रोमांच की उम्मीद की जा रही है।

रुपयागिरावट पर बंद मुंबई (एजेंसी)। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 20 पैसे की गिरावट के साथ ही 85.96 रुपये पर बंद हुआ। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी तथा निर्यात एवं आयात में गिरावट के बीच रुपया आज शुरुआती कारोबार में 22 पैसे टूटकर 85.98 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी पूंजी के प्रवाह ने हालांकि स्थानीय मुद्रा में भारी गिरावट को रोक़ा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 86.02 पर खुला। फिर 85.98 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 22 पैसे की गिरावट दिखात है। विदेशी बाजार में डॉलर के कमजोर होने और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से रुपया मंगलवार को 16 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.76 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.01 फीसदी की हल्की गिरावट के साथ 98.60 पर आ गया।

रुपयागिरावट पर बंद मुंबई (एजेंसी)। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 20 पैसे की गिरावट के साथ ही 85.96 रुपये पर बंद हुआ। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी तथा निर्यात एवं आयात में गिरावट के बीच रुपया आज शुरुआती कारोबार में 22 पैसे टूटकर 85.98 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी पूंजी के प्रवाह ने हालांकि स्थानीय मुद्रा में भारी गिरावट को रोक़ा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 86.02 पर खुला। फिर 85.98 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 22 पैसे की गिरावट दिखात है। विदेशी बाजार में डॉलर के कमजोर होने और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से रुपया मंगलवार को 16 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.76 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.01 फीसदी की हल्की गिरावट के साथ 98.60 पर आ गया।

भारत ने इंग्लैंड को पहले वनडे में 4 विकेट से हराया, दीप्ति शर्मा रहीं हीरो



साउथैम्प्टन (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज की शानदार शुरुआत की है। साउथैम्प्टन में खेले गए पहले मैच में टीम इंडिया ने इंग्लैंड को 4 विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने 259 रनों का

शेयर बाजार मे रही गिरावट



मुम्बई (एजेंसी)। शेयर बाजार शुक्रवार के गिरावट के साथ खुला। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही सत्र में बैंकिंग शेयरों के नीचे आने से आई है। आज सुबह कारोबार शुरू होने पर तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 242 अंक नीचे आकर 82,014 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 64 अंक फिसलकर 25,044 पर पहुंच गया। सबसे अधिक गिरावट बैंकिंग शेयरों में रही। सुबह निफ्टी बैंक 323 अंक तकरीबन 0.57 फीसदी नीचे आकर 56,490 पर था। आज कारोबार के दौरान लार्जकैप की जगह मिडकैप और स्मॉलकैप में सपाट दर्ज किया गया। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 68 अंक की हल्की गिरावट के साथ 59,450 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 21 अंक की कमजोरी के साथ 19,095 पर था। निफ्टी में ऑटो, पीएचयू बैंक, मेटल, रियल्टी और क्मोडिटी शेयरों में तेजी रही जबकि आईटी, फाइनेंशियल सर्विसेज, फार्मा, एफएमसीजी, एनर्जी, प्राइवेट बैंक और इन्फ्रा शेयर नीचे आये। सेंसेक्स पैक में एमएंडएम, टाटा स्टील, पावर

ग्रिड, एलएंडटी, अल्ट्राटेक सीमेंट, इंफोसिस, टाटा मोटर्स, बीईएल, एनटीपीसी, टीसीएस, ट्रेट और मारुति सुजुकी के शेयरों में सबसे अधिक गिरावट रही। एक्सिस बैंक, भारती एयरटेल, कोटक महिंद्रा बैंक, टेक महिंद्रा, एचडीएफसी बैंक, इटरनल (जोमैटो), एचयूएल, सन फार्मा, बजाज फाइनेंस, आईसीआईसीआई बैंक, टाइटन और बजाज फिनसर्व के शेयरों में गिरावट देखी गयी। जुलाई में अब तक विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की बिकवाली से अधिकतर बाजारों में गिरावट रही। इस साल अब तक विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की गतिविधियों में एक स्पष्ट पैटर्न देखने को मिला है। आज सुबह प्रमुख एशियाई बाजार बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। शंघाई, हांगकांग, बैंकॉक और जकार्ता में सबसे ज्यादा बढ़त रही। जबकि टोक्यो और सियोल में गिरावट दर्ज की गई। वहीं निवेशकों की सकारात्मक धारणा के कारण गुरुवार को अमेरिकी बाजार में बढ़त रही। इस दौरान विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) 17 जुलाई को लगातार दूसरे सत्र में शुद्ध बिकवाल रहे और उन्होंने 3,694 करोड़ रुपए के शेयर बेचे।

वेस्टइंडीज-पाकिस्तान मैच फॉर्मेट को लेकर नहीं बनी सहमति

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान और वेस्टइंडीज के बीच अगस्त में प्रस्तावित क्रिकेट सीरीज को लेकर दोनों देशों के बोर्डों में असहमति का माहौल बन गया है। 1 से 12 अगस्त तक अमेरिका और कैरेबियाई द्वीपों में दोनों टीमों को तीन-तीन टी20 और वनडे मैच खेलेने हैं, लेकिन पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड चाहता है कि यह पूरी सीरीज केवल टी20 प्रारूप में खेली जाए। इसके विपरीत वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड इस मांग को स्वीकार नहीं कर रहा और निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सभी मैच कराने पर अड़ा है। पाकिस्तान का तर्क है कि अगले साल भारत और श्रीलंका में टी20 विश्व कप होना है, ऐसे में टीम को ज्यादा से ज्यादा टी20 मैच खेलने चाहिए ताकि तैयारी पुख्ता की जा सके। इसी कारण पोसीबी वनडे सीरीज को भी टी20



सीरीज में बदलने का आग्रह कर रहा है। लेकिन वेस्टइंडीज की स्थिति अलग है। पिछली बार जब भारत में वनडे विश्व कप खेला गया था, तो वेस्टइंडीज की टीम उसमें जगह नहीं बना पाई थी। इसी वजह से वह 50 ओवर के मुकाबलों को लेकर गंभीर है और इस फॉर्मेट में ज्यादा मैच खेलना चाहता है। इस विवाद पर वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड के सीईओ क्रिस डेहरिंग ने कहा कि फिलहाल शेड्यूल में कोई बदलाव नहीं किया गया है और पोसीबी से बातचीत जारी है। उन्होंने बताया कि इस मुद्दे पर आईसीसी के वार्षिक सम्मेलन के दौरान सिंगापुर में और चर्चा होगी। वेस्टइंडीज बोर्ड इस बात को लेकर आश्वस्त है कि त्रिनिदाद में खेले जाने वाले मैच वनडे ही होंगे और किसी बदलाव की संभावना कम है।

तीनों प्रारूपों में 900+ आईसीसी रेटिंग अंक पाने वाले पहले बल्लेबाज बने कोहली

नई दिल्ली (एजेंसी)। भले ही विराट कोहली ने टी20 और हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया हो, लेकिन उनकी लोकप्रियता और रिकार्ड तोड़ प्रदर्शन थमने का नाम नहीं ले रहा। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कोहली की टी20 अंतरराष्ट्रीय रेटिंग को बढ़ाकर 909 अंक कर दिया है, जिससे वह खेल के इतिहास में तीनों प्रारूपों में टेस्ट, वनडे और टी20ड्रु में 900 या उससे अधिक आईसीसी रेटिंग अंक प्राप्त करने वाले एकमात्र बल्लेबाज बन गए हैं। कोहली ने पिछले साल टी20 विश्व कप के फाइनल में 76 रनों की अहम पारी खेली थी, जिससे भारत को विजयी जीत मिली। उसी प्रदर्शन के आधार पर आईसीसी ने उनकी सर्वकालिक टी20आई रेटिंग को 897 से बढ़ाकर 909 कर दिया है। यह टी20आई इतिहास में तीसरा सबसे

ऊंचा स्कोर है, उनसे आगे केवल सूर्यकुमार यादव (912) और इंग्लैंड के डेविड मलान (919) हैं। टेस्ट रैंकिंग में विराट का सर्वश्रेष्ठ रेटिंग स्कोर 937 रहा, जो उन्होंने 2018 में इंग्लैंड दौरे के दौरान हासिल किया था। यह किसी भी भारतीय बल्लेबाज का अब तक का सर्वोच्च टेस्ट रेटिंग स्कोर है और विश्व स्तर पर 11वां। उस दौर पर उन्होंने 10 पारियों में 593 रन बनाए थे। वहीं, वनडे में 2018 में ही इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के दौरान उन्होंने 909 रेटिंग अंक तक पहुंचते हुए सर्वश्रेष्ठ आंकड़ा छुआ था। विराट कोहली को एक समय तीनों प्रारूपों में आईसीसी रैंकिंग में नंबर एक बल्लेबाज रहने का गौरव प्राप्त है। इस नई उपलब्धि के साथ उन्होंने खुद को सर्वकालिक महान ऑल-फॉर्मेट बल्लेबाजों में एक मजबूत दावेदार के रूप में फिर से स्थापित कर दिया है। उन्होंने टी20आई में 125 मैचों में

48.69 की औसत से 4,188 रन बनाए, जिसमें एक शतक और 25 अर्धशतक शामिल हैं। टेस्ट में उन्होंने 9,230 रन बनाए, जिनमें 30 शतक और 31 अर्धशतक हैं, और वह भारत के चौथे सबसे ज्यादा टेस्ट रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। वनडे में वह अब तक के तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं, जिनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 183 है। अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में विराट कोहली ने कुल 27,599 रन बनाए हैं जिसमें 82 शतक और 143 अर्धशतक शामिल हैं। वह भारत के दूसरे और दुनिया के तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं।



लुंगी एनगिडी ने दर्ज की अपने नाम एक बड़ी उपलब्धि

नई दिल्ली (एजेंसी)। ट्राई सीरीज के दूसरे मुकाबले में न्यूजीलैंड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दक्षिण अफ्रीका को 21 रनों से मात देकर सीरीज में जीत के साथ आगाज किया। जहां एक ओर न्यूजीलैंड ने बल्ले और गेंद दोनों से दम दिखाया, वहीं दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी ने अपने नाम एक बड़ी उपलब्धि दर्ज की। वे टी20 इंटरनेशनल में दक्षिण अफ्रीका के तीसरे सबसे सफल गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने इस मामले में दिग्गज डेल स्टैन को पीछे छोड़ दिया। एनगिडी ने न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच में टिम सिफर्ट का विकेट झटका और इसके साथ ही उनके टी20 इंटरनेशनल में कुल 65 विकेट हो गए। दिलचस्प बात यह रही कि उन्होंने यह आंकड़ा महज 45 मैचों में छू लिया, जबकि स्टैन को इतने विकेट के लिए 47 मुकाबले खेलने पड़े थे। इस सूची में तबरेज शमसी 70 मैचों में 89 विकेट के साथ शीर्ष पर हैं, जबकि कागिसो रबाडा 65 मैचों में 71 विकेट लेकर दूसरे स्थान पर हैं। मैच की बात करें तो न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते



हुए निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट पर 173 रन बनाए। टीम के लिए टिम रॉबिन्सन ने सर्वाधिक 75 रन बनाए, जो उन्होंने 57 गेंदों में जड़े। वहीं बेवन जैकब ने 30 गेंदों में 44 और टिम सिफर्ट ने 22 रन की तेजतर्रार पारी खेली। अफ्रीकी गेंदबाजों के लिए एनगिडी और अन्य प्रयास खास प्रभावशाली नहीं रहे। जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम 18.2 ओवर में 152 रन पर सिमट गई। डेवाल्ड बेसिस ने सबसे ज्यादा 35 रन बनाए, जबकि प्रोटीरियस और जार्ज लिंडे ने क्रमशः 27 और 30 रन का योगदान दिया। न्यूजीलैंड की ओर से गेंदबाजी में मेट हेनरी और बेवन जैकब ने तीन-तीन विकेट लिए, जबकि ईश सोढ़ी ने दो सफलताएं अर्जित कीं। न्यूजीलैंड को इस जीत से ट्राई सीरीज में मुकाबला दिलचस्प हो गया है। वहीं लुंगी एनगिडी का रिकार्ड दर्शाता है कि वे टीम के लिए लगातार अहम योगदान दे रहे हैं और भविष्य में और भी कीर्तिमान बना सकते हैं।

कुलदीप को मैनचेस्टर टेस्ट में खेलते देखना चाहते हैं कपिल

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव ने कहा है कि मैनचेस्टर में 23 जुलाई से इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले चौथे टेस्ट मैच में चाहनामैन स्पिनर कुलदीप यादव बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। ऐसे में वह कुलदीप को इस मैच में खेलते हुए देखना चाहते हैं। कपिल ने स्वयं कुलदीप को फोन कर ये बात कही है। पांच मैचों की इस सीरीज में अभी भारतीय टीम 1-2 से पीछे है, ऐसे में उसके लिए चौथा टेस्ट बेहद अहम है। भारतीय टीम को लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट में केवल 22 रनों से हार का सामना करना पड़ा। तीनों मैच के दौरान कुलदीप को जगह नहीं मिलने से सभी हेरान हैं क्योंकि टीम में शामिल स्पिनर वॉशिंगटन सुंदर और रविंद्र जडेजा इन मैचों में प्रभावित नहीं कर पाये, केवल बल्लेबाजी के आधार पर इन्हें जगह मिली। ऐसे में कपिल का ये कहना कि मैनचेस्टर टेस्ट में कुलदीप बड़ी भूमिका निभा सकते हैं, ये बात ध्यान में रखनी चाहिये।

टीम में बुमराह की मौजूदगी पर डेविड लॉयड ने उठाए अहम सवाल

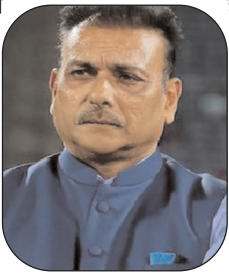


लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट में 22 रनों की हार के बाद भारतीय खेमे में निराशा का माहौल है। खासतौर पर जसप्रीत बुमराह को लेकर एक दिलचस्प चर्चा छिड़ गई है। इंग्लैंड के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर डेविड लॉयड ने बुमराह की मौजूदगी और टीम के प्रदर्शन के बीच के फर्क को लेकर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि बुमराह को इंग्लैंड में सबसे बड़ा मैच विनर माना जा रहा था, लेकिन मौजूदा सीरीज में उन्होंने दो टेस्ट खेले (लॉर्ड्स और लॉर्ड्स) और दोनों में भारत को हार का सामना करना पड़ा। वहीं, जिस बर्मिंघम टेस्ट में बुमराह नहीं खेले, उसमें भारत को जीत मिली। डेविड लॉयड ने एक बातचीत में कहा, यह असाधारण आंकड़ा है। कहा जाता है कि जब

वह खेलते हैं तो भारत ज्यादा हारता है और जब नहीं खेलते तो ज्यादा मैच जीतता है। वह दुनिया के बेहतरीन गेंदबाज हैं, लेकिन ये संयोग अब चर्चा का विषय बन गया है। बर्मिंघम टेस्ट में बुमराह को आराम दिया गया था और उस मुकाबले में मोहम्मद सिराज व आकाश दीप की शानदार गेंदबाजी के दम पर भारत ने जीत दर्ज की थी। सिराज और आकाश दीप ने मिलकर उस मैच में 16 विकेट झटके थे। इससे पहले भारतीय चयन समिति और कोच गौतम गंभीर ने यह स्पष्ट किया था कि बुमराह को पांच में से केवल तीन टेस्ट में खिलाया जाएगा। अब जबकि वह दो मैच खेल चुके हैं और सीरीज 1-2 के स्कोर पर है, डेविड लॉयड का मानना है कि चौथा टेस्ट निर्णायक होगा। उन्होंने कहा, अगर भारत को सीरीज बराबर करनी है तो बुमराह को ओल्ड ट्रैफर्ड टेस्ट में उतरना होगा। अगर भारत 2-2 कर देता है, तो फिर शायद वह ओवल टेस्ट में भी खेलें। उन्होंने यह भी जोड़ा कि अगर इंग्लैंड चौथा मैच जीतकर सीरीज 3-1 से अपने नाम कर लेता है, तो भारत बुमराह को अंतिम टेस्ट से आराम दे सकता है। लेकिन यदि स्कोर 2-2 हो जाता है, तो टीम प्रबंधन उन्हें ओवल टेस्ट में जरूर उतारने पर विचार करेगा। हालांकि डेविड लॉयड ने यह भी माना कि बुमराह एक बेहतरीन गेंदबाज हैं और उनका एक्शन दुनिया में सबसे अनोखा है।

हार के बाद रवि शास्त्री ने खिलाडियों की एकाग्रता पर उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम की इंग्लैंड से हारने के बाद पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने टीम की रणनीति और बल्लेबाजों की एकाग्रता पर सवाल उठाए हैं। पूर्व बल्लेबाज शास्त्री ने इस मैच के दो खास टर्निंग प्वाइंट्स बताए और कहा कि इन्हीं पलों ने इंग्लैंड की जीत का रास्ता साफ किया। रवि शास्त्री ने कहा कि उनके हिसाब से पहला निर्णायक मोड़ रम्रथ पंत का पहली पारी में रनआउट होना था। पंत उस समय 74 रन पर शानदार बल्लेबाजी कर रहे थे और भारत मजबूत स्थिति में दिख रहा था। वेन स्टोक्स की कप्तानी की तारीफ करते हुए शास्त्री ने कहा कि लंच से ठीक पहले पंत को रनआउट कराना इंग्लैंड के लिए बहुत अहम



रहा। उन्होंने कहा कि अगर पंत टिके रहते तो भारत पहली पारी में अच्छी बढ़त हासिल कर लेता और इंग्लैंड दबाव में आ जाता। दूसरा बड़ा टर्निंग प्वाइंट शास्त्री ने करुण नायर का विकेट बताया। चौथे दिन भारत ने दूसरी पारी में 1 विकेट पर 41 रन बना लिए थे और मैच भारत की पकड़ में नजर आ रहा था। लेकिन करुण नायर ने ब्रायडन कार्स की सीधी आती गेंद को छोड़ दिया और पगबाधा हो गए। शास्त्री ने कहा कि यह एकाग्रता की बड़ी चूक थी, जिसने इंग्लैंड के लिए वापसी

का मौका खोल दिया। उनके मुताबिक इस विकेट के बाद भारतीय बल्लेबाजी ढह गई और इंग्लैंड ने दबाव बनाकर जीत की ओर कदम बढ़ा दिया। रवि शास्त्री ने भारतीय बल्लेबाजों की मानसिकता पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जब निचले क्रम के बल्लेबाज मोहम्मद सिराज, जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा ने बल्लेबाजी तो उन्होंने बेहतर डिफेंस दिखाया और गेंद पुरानी होने पर मुश्किलें कम हो गईं। उन्होंने कहा कि पांचवें दिन भारत सिर्फ 22 रन से

3 की परमिशन पर बनाई 5 मंजिल की बिल्डिंग

नोटिस के बाद भी काम जारी;भवन शाखा के कर्मचारी बोले- मामला डेढ़ साल पुराना

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में अवैध तरीके से बिल्डिंग निर्माण कराया जा रहा है। नेहरू नगर स्थित सनसाइन हॉस्पिटल में तीन मंजिला बिल्डिंग का नक्शा पास होने के बावजूद पांच मंजिल का निर्माण किया जा रहा है। नोटिस के बाद भी काम जारी है।

निगम के अधिकारियों के अनुसार, बिल्डिंग मालिक डॉ. राजेश सिंह गौतम को नक्शे के विपरीत निर्माण के लिए नोटिस जारी किया गया था। इसके बाद भी निर्माण काम जारी है। निगम ने जी प्लस थ्री बिल्डिंग का कॉमर्शियल नक्शा पास किया था। लेकिन दो और मंजिलों का निर्माण कर लिया गया।

हाईकोर्ट से मिला है स्टे ऑर्डर: इस मामले में बिल्डिंग मालिक डॉ. गौतम का कहना है कि उन्हें हाईकोर्ट से स्टे ऑर्डर मिला है। वे इसकी जानकारी संबंधित प्राधिकरण को दे चुके हैं। जबकि निगम के भवन शाखा के कर्मचारियों का कहना है कि यह मामला डेढ़ साल पुराना है और इसकी फाइल ढूंढी जा रही है।

उचित कार्रवाई होगी- बिल्डिंग ऑफिसर:



आरोप है कि निगम के इंजीनियरों की मिलीभगत से नेहरू नगर सहित शहर के कई स्थानों पर अवैध निर्माण हो रहे हैं। भवन शाखा के नए प्रभारी कार्यपालन अभियंता अनुपम तिवारी ने कहा कि

सभापति: नगर निगम के सभापति विनोद सोनी का कहना है कि अवैध निर्माण, नक्शे के विपरीत निर्माण शहर भर की समस्या है। इन मामलों में बिचोलिए भ्रष्टाचार में लिप्त हैं। नगर निगम को सभी 70 वार्डों में निर्माण का सर्वे कराना चाहिए। ताकि अवैध निर्माण के मामले में कार्रवाई हो और बिचोलियों का खेल खत्म किया जा सके।

उन्होंने कहा कि भले ही अभी नियमितीकरण बंद है। लेकिन शासन स्तर पर इसे शुरू कराया जाना चाहिए। अवैध निर्माण का नियमितीकरण निगम के स्तर पर होगा, तो निगम की आय में बढ़ोतरी होगी और भवन निर्माण की आड़ में चल रहे घोटाले पर रोक लग सकेगी।

इससे पहले यहां बनवाया गया था 5 मंजिल इमारत: शहर में यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले दयालबंद में अशोक गांधी ने भी तीन मंजिल की अनुमति पर पांच मंजिल का निर्माण कर लिया था। निगम ने तोड़ने की कार्रवाई शुरू की। लेकिन दो दिन बाद रोक दी गई। बाद में इसे अवैध तरीके से नियमित कर दिया गया।

मनेंद्रगढ़ की सड़कों पर गड़ढे ही गड़ढे इन्हीं रास्तों से डेली गुजरते हैं अधिकारी; सीएमओ बोले- परिषद बैठक के बाद सड़क निर्माण की मांग की जाएगी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिला मुख्यालय से लगे नगर पंचायत झगराखांड, नई लेदरी और खोंगापानी की सड़कों हाल बेहाल हैं। मनेंद्रगढ़ से महज 10 किलोमीटर में इन तीनों नगर पंचायतों के सड़कों पर गड़ढों के कारण राहगीरों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अधिकारी सड़क मरम्मत कराने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हैं।

जिले के आलाधिकारी आए दिन करते हैं आना-जाना: आलम यह है कि लोग किसी प्रकार गड़ढों से बच-बचाकर किसी तरह गाड़ी चलाते हैं। नगर पंचायत खोंगापानी के उपध्यक्ष विवेक चतुर्वेदी ने बताया कि सड़कों पर गड़ढे होने के कारण यहां रह रहे जिले के आला अधिकारियों सहित आमजनों को आवाजाही में काफी असुविधा होती है। इस बात का हमें पीड़ा, कष्ट है। जबकि इसी क्षेत्र में जिले के कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, जिला पंचायत सीईओ के साथ बड़े-बड़े अधिकारी रहते हैं और आए दिन इसी रास्ते से आना-जाना करते हैं। इस सड़क की दुर्दशा को देखते हुए उच्च क्षेत्रीय प्रबंधक को बरसात के दौरान मरम्मत कराने और बारिश के बाद सड़क निर्माण कराने को लेकर मैंने बात की है। मैं चाहूंगा कि सड़क का काम जल्द से जल्द हो।

आगामी परिषद की बैठक के बाद शासन की जाएगी मांग-सीएमओ: इस मामले में नगर पंचायत झगराखांड के सीएमओ बसंत राम ने कहा कि इस सड़क का निर्माण एसईसीएल ने करवाया था। सड़कों पर गड़ढों को लेकर ऑटो ड्राइवरों ने मरम्मत की मांग की थी। जिसके बाद सड़क पर जहां-जहां गड़ढा था, उसमें नगर पंचायत ने मिट्टी डलवाया था। लेकिन लगातार बारिश होने के कारण मिट्टी बह गया है। आगामी परिषद की बैठक के बाद हम शासन को पत्र भेजकर सड़क निर्माण की मांग करेंगे।

शिया बोलकर 30 मुस्लिम परिवारों को समाज से निकाला मुतवल्ली ने जारी किया फतवा, मस्जिद-कब्रिस्तान जाने पर रोक, डॉ. सलीम बोले-दाढ़ी-टोपी की आड़ में मनमानी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के राजिम में 30 मुस्लिम परिवारों को इतेहाद कमेटी (राजिम) के अध्यक्ष ने समाज से बेदखल करवा दिया है। पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया है कि इतेहाद कमेटी के अध्यक्ष अलतमश सिद्दकी और उसके साथियों ने शिया बोलकर उनके खिलाफ फतवा जारी कर दिया है। वो 2021 से सामाजिक कार्यक्रमों में शामिल नहीं हो पा रहे हैं। समाज के लोग उनके साथ दावत, रिश्ता, सलाम-दुआ नहीं कर रहे हैं। मस्जिद और कब्रिस्तान जाने का भी रोक लगा दी गई है। पीड़ित परिवारों ने गुरुवार को सीएम विष्णुदेव साय और छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष सलीम राज से शिकायत की है। छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष ने मुतवल्ली और कमेटी के अध्यक्ष को नोटिस जारी करने और कार्रवाई करने की बात कही है। उन्होंने कहा कि दाढ़ी-टोपी की आड़ में कुछ लोग धर्म की ठेकेदारी कर रहे हैं। उनके खिलाफ लगातार शिकायत आ रही है। कार्रवाई होगी।



मुस्लिम परिवार के लोग 2021 से परेशान: छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड कार्यालय पहुंचे पीड़ितों ने को बताया, कि वो मुस्लिम कम्युनिटी के सुन्नी समुदाय से हैं। इसके बाद भी अलतमश सिद्दकी और राजिम सदर सम्बीर रिजवी ने उन्हें शिया समुदाय के हो कहकर समाज से निकाल दिया। सम्बीर रिजवी 2021 से परेशान कर रहे हैं। वहीं मौलाना सैय्यद मोहम्मद अशरफ ने बताया कि सामाजिक कार्यक्रमों में शामिल होने पर जान से मारने की धमकी देते हैं। शिकायतकर्ता और उनका परिवार कई साल से

प्रताड़ना झेल रहा है। लखेर बिरादरी, मनियार समाज गरियाबंद की जमात ने मुतवल्ली की शिकायत की है। मैंने पीड़ितों की मदद की तो मुझे धमकी दी जा रही है।

फतवे की वजह से मेरे भाई की मौत हो गई: वहीं मोहम्मद शादिक वारसी ने बताया कि मुतवल्ली ने फतवा जारी किया है। परिवार परेशान है। इसके चलते तनाव में मेरे भाई की मौत हो गई। खुद को इतेहाद कमेटी के अध्यक्ष बनाने वाले अलतमश सिद्दकी और उनके साथी यह कर रहे हैं। हमने शिकायत देकर फतवारी जारी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

समाज के लोगों ने लिया निर्णय-अलतमश सिद्दकी: इतेहाद कमेटी के अध्यक्ष अलतमश सिद्दकी ने बताया कि शिया और सुन्नी लोगों में मतभेद है। ये जगजाहिर हैं। इसके बाद भी सुन्नी समाज के कुछ लोग शिया समाज के नियमों का पालन कर रहे थे। इनको बार-बार बोला गया, लेकिन वो नहीं माने।

जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाने एवं प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए कलेक्टर को दिया ज्ञापन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। एक देश तभी जीवित रह सकता है और विकसित हो सकता है जब उसकी जनसंख्या नियंत्रण में हो, क्योंकि सभी की जरूरतों को पूरा करने के संसाधन सीमित हैं। जहां एक ओर नियंत्रित जनसंख्या राष्ट्र की शक्ति को बढ़ाने का कार्य करती है तो वहीं दूसरी ओर अनियंत्रित जनसंख्या राष्ट्र के विकास में बाधक है जनसंख्या वृद्धि मानव जीवन के लिए आवश्यक संसाधनों जैसे - आवास, भोजन, रोजगार, बुनियादी ढांचा एवं पर्यावरण को सीधे तौर पर नुकसान पहुंचती है।

जनसंख्या वृद्धि की चुनौती: भारत की जनसंख्या वर्तमान में 140 करोड़ से अधिक हो चुकी है, जो विश्व की सबसे बड़ी जनसंख्या है।



यह आँकड़ा हमारी सांस्कृतिक और सामाजिक विविधता का प्रतीक है, किंतु यह हमारे संसाधनों पर भारी दबाव डाल रहा है। बढ़ती जनसंख्या के कारण निम्नलिखित

समस्याएँ उत्पन्न हो रही हैं।

संसाधनों की कमी: पानी, भोजन, आवास और ऊर्जा जैसे बुनियादी संसाधन सीमित हो रहे हैं। प्रति व्यक्ति संसाधनों की

उपलब्धता में कमी के कारण जीवन स्तर प्रभावित हो रहा है।

शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं पर दबाव: स्कूलों में सीटों की कमी और अस्पतालों में बेड की

अनुपलब्धता आम बात हो गई है।

बेरोजगारी और गरीबी: बढ़ती जनसंख्या के कारण रोजगार के अवसरों पर दबाव बढ़ रहा है, जिससे बेरोजगारी और गरीबी में वृद्धि हो रही है।

पर्यावरणीय क्षति: वनों की कटाई, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याएँ जनसंख्या घनत्व के कारण और गंभीर हो रही हैं।

संयुक्त राष्ट्र और विश्व बैंक की हालिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यदि जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित नहीं किया गया, तो 2050 तक भारत की जनसंख्या 170 करोड़ तक पहुँच सकती है। यह स्थिति हमारे आर्थिक विकास, सामाजिक समानता और पर्यावरणीय स्थिरता के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न कर सकती है।

समय में भारत विश्व में सबसे अधिक आबादी वाला देश है भारत की वर्तमान जनसंख्या लगभग 146 करोड़ है। यह संख्या विश्व की 20 प्रतिशत है। प्रतिदिन 90000 बच्चे पैदा हो रहे अर्थात् वर्षभर में 3 करोड़ के लगभग बच्चे पैदा हो रहे सता में बैठी सरकार 5 वर्ष में अधिकतम 2 करोड़ रोजगार निर्माण कर सकती है वह भी सरकारी व प्राइवेट मिलाकर लेकिन 5 वर्ष में 10 करोड़ बेरोजगार पैदा होकर बैठे रह जाते हैं। देश में संसाधन सीमित हैं जिसके कारण बेतहाशा बढ़ रही जनसंख्या से अशिक्षा, निर्धनता, प्रदूषण, कुपोषण, बेरोजगारी, नशा, मांसाहार-जीवहत्या, भ्रष्टाचार इत्यादि समस्याएँ विकराल रूप से बढ़ती चली जा रही हैं।

सड़क सुरक्षा अन्तर्गत, हेलमेट पहनकर गाड़ी चलाने वालों को प्राचार्य एवं छात्रों ने किया सम्मानित



मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मनेंद्रगढ़-शासकीय स्कूल पिपरिया के प्राचार्य डॉ. विनोद पांडेय की नेतृत्व में स्काउट एवं इको क्लब के छात्र-छात्राओं द्वारा जन जागरूकता अभियान व सड़क सुरक्षा अंतर्गत विद्यालय के छात्र गांधीवादी तरीके से कुर्ता पहनकर तथा छात्राएं टोपी पहनकर हाथों में तख्ती लिए रैली निकाली। हेलमेट लगाए जान बचाए, हमारी सुरक्षा करें, अपनी व अपने परिवार को सुरक्षित रखें। जैसे नारे लगाते हुए संगीता तिवारी, अबुल कम्मर, राष्ट्रीय राजमार्ग 43 पहुंचे तथा जो चालक हेलमेट लगाकर गाड़ी चला रहे थे। उन्हें पुष्पगुच्छ व पेन

देकर प्राचार्य द्वारा सम्मानित किया गया व बिना हेलमेट व सीट बेल्ट लगाए गाड़ी चला रहे थे। उन्हें यातायात नियम की जानकारी दी व हेलमेट लगाने का आग्रह किया। शासकीय हाई स्कूल पिपरिया द्वारा लगातार 5 वर्षों से सड़क सुरक्षा की ध्यान में रखकर व बढ़ती सड़क दुर्घटना को देखते हुए, यह कार्यक्रम किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में डॉ विनोद पांडेय प्राचार्य के अलावा उषा किरण सिंह, जरीना परवीन, संगीता तिवारी, अबुल कम्मर, शर्मिष्ठा दत्ता, कमरुद्दीन अंसारी, कल्पना वर्मा, मेरी कलारा बेक व छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

आगामी प्रतियोगी परीक्षाओं को लेकर कलेक्टर ने जारी किए कड़े दिशा-निर्देश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल रायपुर द्वारा संचालित आगामी प्रतियोगी परीक्षाओं को देखते हुए कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी डी. राहुल वेंकट ने मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के सभी परीक्षा केंद्रों के लिए व्यापक दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

आदेशानुसार, प्रत्येक परीक्षार्थी को परीक्षा के दिन अपने निर्धारित परीक्षा केंद्र पर रिपोर्टिंग समय से दो घंटे पहले अनिवार्य रूप से पहुंचना होगा। यह समय सीमा फ्रिकिंग, पहचान-पत्र सत्यापन और अन्य सुरक्षा प्रक्रियाओं को शांतिपूर्वक संपन्न कराने के उद्देश्य से तय की गई है। परीक्षा शुरू होने के ठीक 30 मिनट पूर्व केंद्र का प्रवेश द्वार पूर्णतः बंद कर दिया जाएगा। अर्थात यदि परीक्षा सुबह 10 बजे प्रारंभ हो रही है, तो 9:30 के बाद किसी भी अभ्यर्थी को परिसर में प्रवेश नहीं मिलेगा। परीक्षार्थियों को हल्के रंग के आधी बांह वाले वस्त्र पहनने होंगे। चप्पल के अतिरिक्त किसी भी प्रकार के जूते या मोजे की अनुमति नहीं होगी। कानों में किसी भी प्रकार के आभूषण पहनना पूर्णतः वर्जित रहेगा।

परीक्षा शुरू होने के 30 मिनट पहले और समाप्ति के अंतिम 30 मिनट के भीतर किसी भी

परीक्षार्थी को परीक्षा कक्ष से बाहर जाने की अनुमति नहीं होगी। इसके अतिरिक्त मोबाइल फोन, स्मार्ट वॉच, पर्स, बेल्ट, स्कार्फ, टोपी, इलेक्ट्रॉनिक घड़ी जैसे किसी भी प्रकार के संचार उपकरण अथवा इलेक्ट्रॉनिक वस्तुएं परीक्षा केंद्र में पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेंगी। कलेक्टर ने सभी परीक्षार्थियों से अनुरोध किया है कि वे परीक्षा के एक दिन पूर्व ही अपने परीक्षा केंद्र की स्थिति का अवलोकन कर लें ताकि अंतिम समय में किसी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके। परीक्षा केंद्र में प्रवेश के लिए किसी एक वैध मूल फोटोयुक्त पहचान-पत्र जैसे मतदाता पहचान-पत्र, ड्राइविंग लाइसेंस, पेन-कार्ड, आधार-कार्ड, पासपोर्ट, विद्यालय परिचय-पत्र अथवा फोटोयुक्त अंकसूची का साथ लाना अनिवार्य होगा। फोटो-कॉपी किसी भी रूप में मान्य नहीं होगी। जिला प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि कोई अभ्यर्थी इन दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करता है, तो उसे परीक्षा से वंचित किया जा सकता है। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट ने अभ्यर्थियों से आग्रह किया है कि वे समय का कड़ाई से पालन करें, ड्रेस-कोड और सुरक्षा नियमों का पूरी निष्ठा से सम्मान करें और शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष परीक्षा प्रक्रिया सुनिश्चित करें।

महिला ने महानदी में लगाई छलांग, पुलिस ने किया रेस्क्यू, अस्पताल में भर्ती

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। नवापारा में एक महिला ने महानदी पुल से छलांग लगा दी। आसपास के लोगों ने देखा तो हड़कंप मच गया। पुल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही नवापारा पुलिस मौके पर पहुंची। महिला को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। घटना नवापारा थाना क्षेत्र की है। जानकारी के अनुसार, नवापारा और राजिम को जोड़ने वाले महानदी पुल से आज सुबह एक बुजुर्ग महिला ने छलांग लगाकर आत्महत्या करने की कोशिश की है। हालांकि, महिला की जान बच गई। महिला पानी में गिरने के बाद खुद तैरकर पुल के एक पिलर के बीच जैठ गई। इसके बाद सूचना मिलते ही नवापारा पुलिस मौके पर पहुंची और महिला को सुरक्षित रेस्क्यू किया।

पूछताछ के बाद होगी वजह साफ: पुलिस ने स्थानीय गोताखोरों की मदद से महिला को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इसके बाद महिला को राजिम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां उसका इलाज किया जा रहा है।

न्यायालयी प्रक्रिया एवं साक्ष्य अधिनियम संबंधी प्रशिक्षण कार्यशाला 20 जुलाई को

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। न्यायालयीन प्रक्रिया एवं साक्ष्य अधिनियम संबंधी कार्यशाला का आयोजन 20 जुलाई 2025 को प्रातः 11:00 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित किया गया है। इस कार्यशाला में माननीय न्यायधीशों जिला न्यायालय मनेंद्रगढ़ द्वारा "न्यायालयी प्रक्रिया एवं साक्ष्य अधिनियम" संबंधी प्रशिक्षण दिया जाना प्रस्तावित है। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के समस्त अनुविभागी अधिकारी (राजस्व), तहसीलदार एवं उनके रीडर उक्त कार्यशाला में निर्धारित तिथि को समयानुसार उपस्थित होकर प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे, ताकि न्यायालयीन प्रकरणों के संचालन में विधिक दक्षता प्राप्त की जा सके।

जिले में अब तक 477.2 मिमी वर्षा दर्ज

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में मानसून सक्रिय है और लगातार हो रही बारिश से किसानों के चेहरों पर राहत की मुस्कान देखने को मिल रही है। भू-अभिलेख विभाग द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार बीते 24 घंटों में जिले में औसतन 14.5 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। 1 जून

से 17 जुलाई 2025 तक जिले में कुल औसत 477.2 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की जा चुकी है, जो खरीफ फसलों की बोआई और उनकी प्रारंभिक बढ़वार के लिए अनुकूल माना जा रही है। तहसीलवार आंकड़ों में कोटाडोल 636.6 मिमी वर्षा के साथ पहले स्थान पर है।